

शारदीय नवरात्र: पांचवां दिन

मां स्कंदमाता



नवरात्रि के पांचवे दिन मां दुर्गा के पांचवें स्वरूप मां स्कंदमाता की पूजा की जाती है।
माता कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं, इसलिए इन्हें 'पद्मासना देवी' भी कहा जाता है। इनका वाहन सिंह (शेर) है। माता की चार भुजाएं हैं। ऊपरी दाएं हाथ में वे भगवान स्कंद (बाल कार्तिकेय) को गोद में लिए हुए हैं, निचले दाएं हाथ में कमल का फूल है, बाएं हाथ में भी कमल का फूल है और एक हाथ 'अभय मुद्रा' में रहता है। इनकी उपासना से भक्त को ज्ञान, शांति, मोक्ष और संतान सुख की प्राप्ति होती है।
मूल मंत्र (नाम मंत्र): ॐ देवी स्कन्दमातायै नमः
बीज मंत्र: क्लीं स्वमित्रै नमः
सवाबीधा मुक्ति मंत्र (या स्तुति मंत्र)
या देवी सर्वभूतेषु मां स्कंदमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।
स्तुति और प्रार्थना
सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।

मां रूपी सोरेन के श्राद्धकर्म में मुख्यमंत्री ने निभायी पारंपरिक रस्में



रांची/रामगढ़: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी दिवंगत माता रूपी सोरेन के श्राद्धकर्म के तहत समाज की परंपराओं और मान्यताओं के अनुरूप पारंपरिक रस्में निभायीं। रामगढ़ जिले के नेमरा स्थित अपने पैतृक आवास पर मुख्यमंत्री ने परिवार के सदस्यों के साथ आवश्यक संस्कार संपन्न किये। इस दौरान उन्होंने स्थानीय समाज की परंपरा के अनुसार अपनी मां की स्मृति में दातून, पानी और भोजन परोसने की रस्म निभायी।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने पैतृक आवास पर प्रतिदिन की भाँति दिवंगत माता रूपी सोरेन की स्मृति में दातून, पानी और भोजन परोसने की पारंपरिक रस्म पूरी की। उन्होंने परिवार के सदस्यों के साथ समाज की मान्यताओं और रीति-रिवाजों का पालन करते हुए श्राद्धकर्म से जुड़े आवश्यक संस्कार संपन्न किये। स्थानीय

समाज में प्रचलित इन परंपराओं का परिवार की सांस्कृतिक मान्यताओं में विशेष महत्व है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता रूपी सोरेन का 7 अक्टूबर 2026 को रांची के हिल व्यू अस्पताल में रात करीब 8:30 बजे निधन हो गया था। उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से सोरेन परिवार सहित झारखंड में शोक की लहर फैल गयी थी।

रूपी सोरेन का अंतिम संस्कार 8 अक्टूबर 2026 को रामगढ़ जिले के गोला प्रखंड स्थित उनके पैतृक गाँव नेमरा में किया गया था। नेमरा के देकानाला घाट पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी मां को मुखाग्नि दी थी। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, राजनीतिक हस्तियां और स्थानीय लोग शामिल हुए थे।

मेट्रो Ramps



संवाददाता

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने धर्म परिवर्तन और जाति आधारित आरक्षण पर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला हिंदू से इस्लाम धर्म अपनाने वालों को पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का आरक्षण मिलेगा या नहीं इस पर तमिलनाडु सरकार की तरफ से लगाई गई याचिका पर सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हिंदू सामाजिक व्यवस्था के पिछड़े वर्ग या अनुसूचित जाति का व्यक्ति दूसरा धर्म अपनाने के बाद आरक्षण का लाभ नहीं ले सकता।

आगे रखने का वादा

आईफा 2027 में फिर होस्ट की कमान संभालेंगे करण जोहर



धर्म बदला तो खत्म हो जाएगा आरक्षण, सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

काउंटर से रेल रिजर्वेशन पर भी होगा बीमा, सुप्रीम कोर्ट ने जारी किया आदेश, 27 अक्तूबर से व्यवस्था

नई दिल्ली: अब काउंटर से रेल रिजर्वेशन कराने पर भी यात्री इंश्योरेंस ले सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय रेलवे को यह आदेश दिया है। कोर्ट का आदेश 27 अक्तूबर से लागू होगा। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर। महादेवन की बेंच ने यह फैसला सुनाया है। अभी सिर्फ ऑनलाइन टिकट बुक कराने वालों को ही बीमा मिलता था। ऑफलाइन टिकट पर भी यह सुविधा ऑनलाइन टिकट की तरह ऑप्शनल रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सामान्य यात्री ज्यादातर स्टेशन काउंटर से टिकट लेते हैं। रेलवे को इनके लिए बीमा का इंतजाम करने का काफी समय दिया गया था, लेकिन कोई काम नहीं हुआ। इसीलिए अब 27 अक्तूबर 2026 से स्टेशन काउंटर की हर टिकट पर भी ऑनलाइन की तरह बीमा का ऑप्शन देना अनिवार्य किया गया है। बता दें कि जून 2023 में ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे के बाद कोर्ट में एक याचिका दायर की गई थी। इसमें मांग की गई थी कि ट्रेन हादसों को रोकने वाला सेफ्टी सिस्टम जल्द सभी ट्रेनों में लगाया जाए और हादसे की जांच के लिए एक कमेटी बनाई जाए। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोर्ट ने यात्रियों की पूरी सुरक्षा को भी इसमें शामिल किया है। मामले में अगली सुनवाई 16 नवंबर, 2026 को होगी।



जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस फैसले को रद्द कर दिया था, जिसके तहत इस्लाम अपनाने वाले व्यक्तियों को पिछड़ा वर्ग

मुस्लिम श्रेणी में आरक्षण का लाभ देने की अनुमति दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु में धर्म परिवर्तन के बाद पिछड़ा वर्ग का दर्जा देने से जुड़े मामले में ये फैसला सुनाया है। बता दें कि मद्रास हाईकोर्ट ने

हाल ही में इस सरकारी आदेश को रद्द कर दिया था। इस आदेश के तहत अन्य पिछड़े वर्गों के ऐसे व्यक्तियों को जो इस्लाम धर्म अपना लेते थे, पिछड़ा वर्ग मुस्लिम श्रेणी में शामिल होने की अनुमति दी गई थी। मामले में

तमिलनाडु सरकार ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। राज्य सरकार का तर्क है कि धर्म परिवर्तन के कारण सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े लोगों को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

राहुल के मार्च पर सीजेआई बोले- हमें कोई धमका नहीं सकता

जानते हैं कोर्ट के बाहर क्या कह रहे और अंदर क्या, हम अलग दुनिया में नहीं जीते

नई दिल्ली: सीजेआई सूर्यकांत ने राहुल गांधी के सुप्रीम कोर्ट तक विरोध मार्च पर गुरुवार को कहा कि कोई भी कोर्ट को डराने या धमकाने की कोशिश नहीं कर सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं। इन पर कोई ध्यान नहीं देता। सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट में एसआईआर के विरोध प्रदर्शन और मार्च से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। सुनवाई के दौरान राहुल गांधी और 13 अन्य लोगों की याचिका का भी मामला उठा। कोर्ट ने इस पर केद्र और चुनाव आयोग (ईसीआई) को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने संबंधित पक्षों से जवाब मांगा है।

विपक्ष की तरफ से यह याचिका चीफ जस्टिस सूर्यकांत के मिलने से इनकार के बाद दाखिल की गई थी। 11 अक्टूबर को विपक्षी सांसदों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत को पत्र लिखा था और ज्ञापन सौंपने के लिए समय मांगा था। सीजेआई ने मना कर दिया था।

फिर राहुल, प्रियंका, खड्गे के साथ अन्य विपक्षी सांसद 12 अक्टूबर की शाम अचानक सुप्रीम कोर्ट के अंदर पहुंच गए। उससे



पहले सांसदों ने दिल्ली के बाराखंभा रोड से सुप्रीम कोर्ट की ओर मार्च निकाला था। कोर्ट ने सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। वकील गौरव भाटिया ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के लिए अंतरिम आदेश देने की मांग की। दावा किया कि एक गर्भवती महिला पत्रकार को धक्का दिया गया था।

इस पर जस्टिस जे। बागची ने सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों

को सीसीटीवी और अन्य डिजिटल फुटेज या सामग्री सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। निजी पक्षों को भी ऐसी सामग्री दाखिल करने की छूट दी गई। प्रदर्शन का आह्वान करने वालों की जिम्मेदारी तय करने की मांग वाली याचिका पर सीजेआई सूर्यकांत ने नोटिस जारी किया। याचिका में मांग की गई है कि प्रदर्शन का आह्वान करने वाला व्यक्ति दूसरों पर पड़ने वाले परिणामों की जिम्मेदारी भी ले।

अनजान नंबरों से कॉल्स का इंडेंट खत्म

1 नवंबर से फोन पर दिखेगा अनजान कॉल करने वाले का नाम, सरकार ने जारी किया निर्देश

नई दिल्ली: मोबाइल यूजर्स के लिए एक बहुत बड़ी राहत भरी खबर सामने आई है। अब आपको अनजान नंबरों से बार-बार आने वाले कॉल्स और फजीवाड़े से जल्द ही छुटकारा मिलने वाला है। भारत सरकार ने टेलीकॉम यूजर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कॉलर आईडी को अनिवार्य कर दिया है। दूरसंचार विभाग ने सभी टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स (टीएसपीएस) को आगामी 1 नवंबर 2026 से 'कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन' (सैप) सिस्टम लागू करने का सख्त निर्देश दिया है। सैप भारत का एक वैरिफाइड



कॉलर आइडेंटिफिकेशन सिस्टम है, जो कॉल करने वाले का नंबर और नाम दिखा सकता है। डॉट के आदेश के अनुसार, 4जी और उससे अगली पीढ़ी के मोबाइल नेटवर्क (जैसे 5जी) पर सभी यूजर्स के लिए सैप डिफॉल्ट रूप से चालू रहेगा। जब आपको कोई कॉल आएगी, तो सैप कॉल

करने वाले का नाम और नंबर दिखाएगा। आदेश में कहा गया है कि 2जी और 3जी नेटवर्क तथा पब्लिक स्विचड टेलीफोन नेटवर्क (पीएसटीएन) पर इसे लागू करने के बारे में अलग से विचार किया जाएगा।

कॉलर आईडी कैसे काम करेगी? : आदेश के मुताबिक, जब कोई कॉल आएगी, तो स्क्रीन पर सबसे पहले कॉल करने वाले का नंबर दिखेगा। दूसरे हिस्से में वह नाम दिखाई देगा जो रिसीवर के कॉन्टैक्ट्स में सेव है। अगर नंबर सेव नहीं है, तो घरेलू कॉल के मामले में, कॉल करने वाले का

वह नाम दिखाया जाएगा जो टेलीकॉम ऑपरेटर के सब्सक्राइबर डेटाबेस में दर्ज है। इंटरनेशनल कॉल के मामले में, स्क्रीन पर इंटरनेशनल कॉल लिखा हुआ दिखाई देगा। हर टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर को एक ऐसा डेटाबेस बनाना होगा, जिसमें सब्सक्राइबर्स के नाम और उनके नंबर दर्ज हों। कॉल प्राप्त करने वाला ऑपरेटर इस डेटाबेस से नाम निकालकर यूजर को दिखाएगा। ऑपरेटर्स को 'सिवयोरिटी-बाय-डिजाइन' अप्रोच का पालन करना होगा। इसके तहत, कॉल

खत्म होने के बाद 'क्वेरी-रिस्पॉन्स' मैकेनिज्म के जरिए कॉल करने वाले का नाम सेव नहीं रखा जा सकेगा। जिन यूजर्स ने 'कॉलिंग लाइन आइडेंटिफिकेशन रिसट्रिक्शन' (सीएलआईआर) सुविधा ले रखी है, उनका नाम नहीं दिखाया जाएगा। बिजनेस और बल्क कनेक्शन के लिए, ऑपरेटर्स यूजर्स को अपने रिकॉर्ड में दर्ज नाम के बजाय कोई दूसरा (पर्सदीदा) नाम दिखाने का विकल्प दे सकते हैं। यह नाम या तो 'ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री' में यूजर के नाम से रजिस्टर्ड ट्रेडमार्क होना

चाहिए, या फिर 'गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स' (जीएसटी) पोर्टल पर रजिस्टर्ड ट्रेड नेम होना चाहिए। ऑपरेटर्स को इस नाम और इससे जुड़े दस्तावेजों का वेरिफिकेशन करना होगा। मौजूदा ग्राहकों को अपना पर्सदीदा नाम अपडेट करने के लिए आवेदन करना होगा। यह आदेश पिछले कुछ महीनों में 4जी और 5जी नेटवर्क पर किए गए ट्रायल के बाद आया है। इसमें टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (टैरा) की फरवरी 2024 की सिफारिशों का भी जिक्र है।

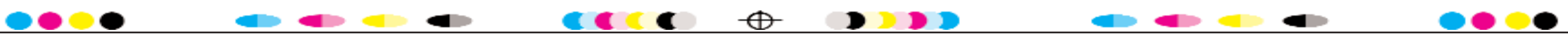
सड़क हादसे में ब्लिकिट डिलीवरी बाॅय की मौत, कार चालक भी घायल

रांची : राजधानी रांची के ककि थाना क्षेत्र में बुधवार देर रात करीब 11:30 बजे सड़क हादसा हुआ। यहां गोकुल रेस्टोरेंट के पास एक कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार युवक मौके पर ही मौत हो गई। कार चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया।



मृतक की पहचान शनि के रूप में हुई है और वह ब्लिकिट में डिलीवरी बाॅय का काम करता था। जानकारी के अनुसार, बुधवार की रात शनि डिलीवरी देने जा रहा था, तभी पीछे से आ रही एक कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से बाइक अनियंत्रित हो गई और शनि जमीन पर गिर गया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर मौत हो गई। जबकि कार चालक को भी मामूली चोट आई। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलने पर ककि डीएसपी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। डिलीवरी बाॅय की मौत से आक्रोशित ब्लिकिट के अन्य कर्मियों ने ककि रोड जाम कर दिया, जिससे आवागमन प्रभावित हुआ। हालांकि मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर लिया और आगे की जांच में जुट गई।



समाचार सार

बाइक की आमने- सामने की टक्कर में दो युवक घायल



मुरी: बीती शाम को बड़ा मुरी तुलसी पोखर के आसपास विपरीत दिशा से आ रही दो मोटरसाइकिल की आपस में सीधी टक्कर हो गई । जिसमें झालदा थाना के कुशीनगर निवासी उत्तम कुमार और जितेन कुमार और बाघमुंडी थाना के प्रकाश महतो गंभीर रूप से घायल हो गए । जिन्हें तुरंत नजदीक के अस्पताल में एडमिट कराया गया वहीं पुलिस ने दोनों मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। जानकारी के मुताबिक घटनास्थल पर आसपास तीन तरफ जाने का रास्ता है अक्सर इसी जगह पर पहले भी कई दुर्घटना हो चुकी है । यहां पर पुलिस प्रशासन का कोई भी बेरिकेट नहीं है । इसके अलावा हिंडालको कंपनी जो यहां से मात्र एक किलोमीटर की दूरी है वह भी यहां पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

डांडिया नाइट की धूम, मां दुर्गा के नौ स्वरूपों और महिषासुर वध के मंचन ने मोहा मन



रांची: नवरात्र के अवसर पर राजधानी रांची में भक्ति और उत्साह का माहौल है। शहर के अलग-अलग इलाकों में कहीं माता के भजनों की गुंज सुनाई दे रही है, तो कहीं गरबा और डांडिया के जरिए श्रद्धालु मां दुर्गा की आराधना कर रहे हैं। इसी कड़ी में अरगोड़ा मैदान में डांडिया नाइट का आयोजन किया गया। समाजसेवी मधुमिता और वीरेन साहू की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने भक्ति संगीत की धुन पर डांडिया किया। पूरे मैदान में उत्साह, उमंग और भक्तिमय वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा की सुंदर झलक दिखाई दी।

रंग-बिरंगे परिधानों में सजे लोगों ने किया डांडिया: अरगोड़ा मैदान में आयोजित डांडिया नाइट में महिलाओं, पुरुषों और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सभी पारंपरिक परिधानों में सजकर कार्यक्रम में पहुंचे। भक्ति संगीत की धुन पर डांडिया करते प्रतिभागियों ने समारोह में चार चांद लगा दिए। पूरे मैदान में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा।

इस आयोजन के जरिए भारतीय संस्कृति और लोक परंपराओं को बढ़ावा देने के साथ मां दुर्गा के प्रति श्रद्धा भी व्यक्त की गई। नवरात्र के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम ने लोगों को एक साथ मिलकर त्योहार मनाने का अवसर दिया।

मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रस्तुति और महिषासुर वध का मंचन: कार्यक्रम का खास आकर्षण मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की प्रस्तुति और महिषासुर वध का प्रभावशाली मंचन रहा। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से मां दुर्गा की शक्ति और महिषासुर पर उनकी विजय को दर्शाया गया। इस मंचन के जरिए बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बढ़ता है आत्मविश्वास और सहयोग: कार्यक्रम की आयोजित मधुमिता ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन लोगों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और अनुशासन की भावना विकसित करने में मदद करते हैं। साथ ही, ऐसे कार्यक्रम सामूहिक सहयोग और आपसी तालमेल को भी बढ़ावा देते हैं। वहीं, आयोजक वीरेन साहू ने कहा कि मां दुर्गा की आराधना नारी शक्ति, साहस और अन्याय पर न्याय की जीत का प्रतीक है। उन्होंने नवरात्र के दौरान ऐसे आयोजनों के महत्व पर जोर दिया। अरगोड़ा मैदान में आयोजित डांडिया नाइट ने नवरात्र के उत्सव को भक्ति, संस्कृति और रंगों से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ मां दुर्गा की आराधना की और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद लिया।

एसआईआर के विरोध में युवा राजद ने घेरा राज्य चुनाव कार्यालय, मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग



रांची: एसआईआर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर विपक्षी दलों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इसी क्रम में प्रदेश युवा राष्ट्रीय जनता दल

(राजद) के कार्यकर्ताओं ने राज्य चुनाव कार्यालय का घेराव किया और राज्य के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की। रवि कुमार को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ नारेबाजी की और एसआईआर की प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए नाराजगी जाहिर की।

प्रदर्शन के दौरान युवा राजद के कार्यकर्ताओं ने अनोखे अंदाज में विरोध दर्ज कराया। एक व्यक्ति के माथे पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की तस्वीर लगाई गई थी। उसके हाथ-पांव बांधकर कार्यकर्ता राज्य चुनाव कार्यालय पहुंचे और प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए।

प्रदर्शन कर रहे राजद नेताओं ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया के माध्यम से मतदाताओं के अधिकारों को प्रभावित किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के इशारे पर वोटों की चोरी की जा रही है। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तत्काल पद से हटाने की मांग की। हालांकि, वोटों की चोरी और भाजपा के इशारे पर काम करने के आरोप प्रदर्शनकारियों ने लगाए हैं।

युवा राजद के नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान कुछ कार्यकर्ताओं ने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा कि ज्ञानेश कुमार को आम जनता के हवाले कर दिया जाना चाहिए। इस बयान के जरिए कार्यकर्ताओं ने चुनाव आयोग के प्रति अपना आक्रोश जाहिर किया।

राज्य चुनाव कार्यालय के बाहर हुए इस प्रदर्शन में युवा राजद के प्रदेश अध्यक्ष रंजन यादव, गौरीशंकर यादव, राहुल यादव, अनीता यादव, मंतेज यादव और धर्मेन्द्र कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। प्रदर्शन के दौरान एसआईआर का विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।

सिटी

मेट्रोRays

दुर्गा पूजा : स्पेशल ब्रांच के 500 से अधिक अधिकारी-जवान सादे लिबास में रहेंगे तैनात



संवाददाता

रांची: दुर्गा पूजा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने

के लिए झारखंड में स्पेशल ब्रांच के 500 से अधिक अधिकारियों और जवानों की तैनाती की गई है। इनमें 20 से अधिक डीएसपी, 40 से अधिक इंस्पेक्टर, 150 से

अधिक सब-इंस्पेक्टर और करीब 300 जवान शामिल हैं।

सभी अधिकारी और जवान सादे लिबास में रहकर पूजा पंडालों और संवेदनशील इलाकों



की निगरानी करेंगे। इस दौरान सदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के साथ वे लगातार खुफिया जानकारी जुटाएंगे। राजधानी रांची में कांके रोड से मेन रोड तक

बीएसएल के उर्फमद से चास के विस्थापित क्षेत्रों में हंगे विकास कार्य, मेयर ने की बैठक

बोकारो: चास नगर निगम क्षेत्र के विस्थापित वार्डों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। बीएसएल उर्फमद से सड़क, स्ट्रीट लाइट और नागरिक सुविधाओं का होगा सुधार। जार्न क्षेत्रवार योजनाएं। चास नगर निगम क्षेत्र के विस्थापित वार्डों में बुनियादी सुविधाओं के विकास को लेकर बुधवार को निगम कार्यालय में बैठक हुई। अध्यक्षता मेयर भोलू पासवान ने की। बैठक में बीएसएल के सीएसआर मद से विस्थापित क्षेत्रों में सड़क निर्माण व मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और अन्य नागरिक सुविधाओं के विकास पर चर्चा की गयी।

क्षेत्र की आवश्यकतानुसार तैयार होंगी योजनाएं : मेयर ने कहा कि विस्थापित क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जायेगी। समस्याओं को दूर करने के लिए संबंधित क्षेत्रों की जरूरतों के अनुसार योजनाएं तैयार की जायेंगी। विकास कार्यों को गति देने के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के बीच समन्वय स्थापित करने पर भी जोर दिया गया। मौके पर थी इनकी मौजूदगी: बैठक में डिप्टी मेयर पूजा कुमारी, अपर नगर आयुक्त संजय कुमार, बीएसएल के प्रवीण कुमार व संजीव कुमार सिंह, पापंद मंजू कुमारी महतो, मां आजाद, शहनाज फिरदौस, उत्तम गोप, कल्याणी प्रसाद सिंह, राहुल कुमार, सुमन राय व खतिबून निशा सहित नगर प्रबंधक राम श्रीवास्तव, अमन और अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

पैतृक गांव पहुंचे ओडिशा के राज्यपाल ब्रजमोहन राम

मां उग्रतारा के दरबार में टेका माथा, गांव की मिट्टी से जुड़ी यादें हुई ताजा



और गर्व का माहौल रहा।

इस दौरे की खास बात यह रही कि धार्मिक आस्था और पारिवारिक भावनाओं के साथ-साथ क्षेत्र के विकास से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा भी सामने आया। ब्रजमोहन राम ने चंदवा प्रखंड के टोरी रेलवे स्टेशन पर रेलवे ओवरब्रिज (आरओबी) निर्माण की मांग को लेकर रेल मंत्री से मुलाकात करने की बात कही। उन्होंने भरोसा जताया कि राज्यपाल पद की शपथ लेने के बाद इस विषय को संबंधित स्तर

पर उठाने का प्रयास करेंगे। उनके इस वक्तव्य से स्थानीय लोगों में लंबे समय से चली आ रही आरओबी निर्माण की मांग को लेकर नई उम्मीद जगी है।

मां उग्रतारा के दरबार में की पूजा-अर्चना, आशीर्वाद को बताया महत्वपूर्ण: नगर ग्राम पहुंचने के बाद राज्यपाल ब्रजमोहन राम अपनी पत्नी लीला देवी और बड़े पुत्र अनिल कुमार,सुनील कुमार, अमित कुमार भाई सोहन राम, दुलारचन्द बैठा परिवार के अन्य सदस्यों के

साथ मां उग्रतारा नगर भगवती मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना की और माता रानी के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद लिया। मंदिर परिसर में उनके पहुंचने पर श्रद्धा और उत्साह का वातावरण देखने को मिला। मां उग्रतारा के दर्शन के बाद ब्रजमोहन राम ने अपनी भावनाएं साझा करते हुए कहा कि नवरात्र के पावन अवसर पर माता रानी का आशीर्वाद उनके लिए अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात

विशेष निगरानी की व्यवस्था की गई है।

वहीं, राज्य के अन्य जिलों में भी डीएसपी स्तर के अधिकारियों, इंस्पेक्टर, सब-इंस्पेक्टर और जवानों को सादे लिबास में तैनात किया गया है। इनकी जिम्मेदारी पूजा पंडालों, भीड़भाड़ वाले इलाकों और संवेदनशील स्थानों पर नजर रखने की होगी। सभी अधिकारी और जवान अपने-अपने क्षेत्रों में खुफिया जानकारी जुटाकर संबंधित जिले के एसपी और पुलिस मुख्यालय को रिपोर्ट करेंगे। पुलिस मुख्यालय की ओर से अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि पिछले वर्षों में दशहरा और दुर्गा पूजा के दौरान हुई घटनाओं को ध्यान में रखकर संवेदनशील स्थानों को चिह्नित किया जाए। जिन इलाकों में पहले किसी तरह की घटना हो

चुकी है, वहां विशेष सतर्कता बरतने और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया है। इसके अलावा, किसी भी स्थान पर सदिग्ध गतिविधि या संभावित अप्रिय घटना की आशंका मिलने पर तत्काल संबंधित जिले के एसपी और पुलिस मुख्यालय को सूचना देने का निर्देश दिया गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त जवानों की तैनाती के लिए भी समय रहते सूचना उपलब्ध करानी होगी।

स्पेशल ब्रांच के अधिकारी और जवान पूरे पर्व के दौरान लगातार इनपुट जुटाएंगे, ताकि किसी भी संभावित खतरे की जानकारी समय रहते पुलिस अधिकारियों तक पहुंच सके और जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके।

राष्ट्रीय विज्ञान प्रतियोगिता में झारखंड को रजत पदक, पूरव जैन ने रचा इतिहास



रांची: 12वीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी एवं परियोजना प्रतियोगिता में झारखंड ने पहली बार देश के टॉप तीन राज्यों में जगह बनाते हुए रजत पदक हासिल किया है। आर्मी स्कूल रामगढ़ के छात्र पूरव जैन ने यह उपलब्धि हासिल की। वहीं, चतरा जिले के गिद्धौर स्थित गंगा स्मारक उच्च विद्यालय के दीपक कुमार को भी राष्ट्रीय स्तर पर टॉप 60 पुरस्कार विजेताओं में स्थान मिला।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित सम्मान समारोह में केंद्रीय राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। पूरव जैन को रजत पदक के साथ प्रमाण पत्र, मोमेंटो और लैपटॉप दिया गया।

पूरव जैन ने बिजली की खपत पर नजर रखने के लिए एक अभिनव उपकरण का विचार प्रस्तुत किया। इस परियोजना को बीआईटी मेसरा में आयोजित मेंटरशिप कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की टीम ने और बेहतर बनाया। वहीं, दीपक कुमार ने स्मार्ट बोरवेल पाइप कटर से जुड़ा नवाचार प्रस्तुत किया। इस उपलब्धि पर माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद और इंस्पावर अवॉर्ड मानक की राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी नीलम आईलीन टोप्पो ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने घोषणा की कि राज्य स्तर पर भी विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली में झारखंड की टीम के साथ सहायक राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ शाहनवाज कुंरैशी, डॉ नूतन कुमारी सिन्हा, राम कुमार दास, मनु कुमारी, अभिषेक राज और दिनकर स्वराज भी शामिल थे।

का अंदाजा नहीं था कि माता रानी का आशीर्वाद उन्हें किसी राज्य के राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण संवैधानिक पद तक पहुंचाएगा। उन्होंने मां उग्रतारा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि जीवन में जो कुछ भी प्राप्त हुआ है, उसमें माता रानी के आशीर्वाद और लोगों के स्नेह का महत्वपूर्ण योगदान है। अपने पैतृक गांव और क्षेत्र के लोगों से उनका पुराना लगाव रहा है। गांव की मिट्टी, यहां के लोग और पुरानी यादें उनके जीवन का अर्धभूत हिस्सा हैं।

राज्यपाल जैसे महत्वपूर्ण दायित्व मिलने के बाद भी अपने गांव के प्रति उनका अपनापन बना हुआ है। मंदिर में दर्शन-पूजन के दौरान उनके साथ मौजूद लोगों ने भी माता रानी के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर स्थानीय लोगों ने उनके सफल कार्यकाल की कामना करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दीं।

गांव की मिट्टी से जुड़ी यादें हुईं ताजा: राज्यपाल ब्रजमोहन राम के इस दौरे में उनकी पत्नी लीला देवी की भावुकता भी चर्चा का विषय रही। अपने पति के साथ पैतृक गांव पहुंचने पर उन्होंने परिवार, पुराने दिनों और अपनापन उनके लिए बेहद खास है। अपने लोगों के बीच पहुंचकर पुरानी यादों को साझा करना उनके लिए भावनात्मक अनुभव रहा। इस दौरान उपस्थित लोगों ने भी परिवार के साथ आत्मीयता से मुलाकात की। राज्यपाल और उनकी पत्नी का यह भावुक क्षण वहां मौजूद लोगों के लिए भी खास रहा। लोगों का कहना था कि किसी व्यक्ति के लिए अपने गांव और अपनी जड़ों से जुड़ाव बनाए रखना महत्वपूर्ण होता है। राज्यपाल के आगमन के दौरान भी गांव के प्रति उनका अपनापन और लोगों के साथ सहज व्यवहार देखने को मिला।

त्रिकोण हवन कुंड पूजा पंडाल का भव्य उद्घाटन

डीसी मंजूनाथ भजंत्री और जेएससीए अध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव रहे मौजूद



मेट्रो रेज

रांची: जय माता दी के जयकारों के साथ त्रिकोण हवन कुंड पूजा पंडाल का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। समारोह में रांची उपायुक्त मंजूनाथ



इस अवसर पर आयोजन समिति की ओर से जितेंद्र कुमार ने उपस्थित सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि माता रानी सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि प्रदान करें।

ईटानगर की पहाड़ियों में बिहार-झारखंड के लिट्टी-चोखा का जलवा, अरुणाचल के शिक्षा मंत्री भी हुए मुरीद



मेट्रो रेज

रांची/ईटानगर(अरुणाचल प्रदेश): अरुणाचल प्रदेश (1एपी) एनसीसी बाटालियन(एनई आर) डायरेक्टरेट द्वारा आयोजित ऑल इंडिया ट्रेकिंग कैंप का भव्य आयोजन अरुणाचल प्रदेश की ईटानगर पहाड़ियों में किया जा रहा है। इस रोमांचक कैंप का नेतृत्व कर्नल समुद्र विजय शर्मा कर रहे हैं, जिसमें एडम अधिकारी कर्नल सुरजीत राय और 1एपी बटालियन ,(एनईआर)के सीनियर कैडेट्स की अहम भूमिका है।

कर्नल समुद्र विजय शर्मा ने 5-6 फौजी स्टाफ और सीनियर

कैडेट्स की टीम के साथ असंभव को संभव कर पूरे देश के सामने मिसाल पेश की है। इस कैंप में पूरे भारत से लगभग 600 कैडेट्स भाग ले रहे हैं, जो ईटानगर की दुर्गम पहाड़ियों में ट्रेकिंग कर रोमांच और साहस का अनुभव कर रहे हैं।

आज कैंप में सर्वाइवल डे मनाया गया, जिसमें सभी राज्यों को अपना-अपना प्रसिद्ध व्यंजन बनाना था। इस अवसर पर बिहार और झारखंड डायरेक्टरेट की ओर से कैडेट्स और एनसीसी अधिकारियों ने बिहार का विश्व प्रसिद्ध व्यंजन लिट्टी-चोखा प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम में निर्णायक (जज) के रूप में अरुणाचल प्रदेश के



माननीय शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना, गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप

में सीआरपीएफ के कमांडेंट राजेश सांकला एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस कैंप में 4 बिहार बटालियन के तीन एएनओ - अखिलेश कुमार सिंह, उत्तम कुमार और डॉ. अभिमन्यु मिश्रा ने बिहार डायरेक्टरेट का प्रतिनिधित्व किया। डॉ. अभिमन्यु मिश्रा ने बिहार डायरेक्टरेट के लिए अग्रणी भूमिका निभाई, जबकि अखिलेश जी और उत्तम हर मोर्चे पर डटे रहे।

लिट्टी-चोखा का रसास्वादन करते ही शिक्षा मंत्री जी गदगद हो गए। उन्होंने कहा, लिट्टी-चोखा के बारे में जितना सुना था, स्वाद उससे भी कई गुना बेहतर निकला। सभी बच्चों की पहली

पसंद लिट्टी-चोखा ही रहा।

डॉ. अभिमन्यु मिश्रा ने लिट्टी-चोखा के इतिहास और स्वाद का इतना शानदार वर्णन किया कि ईटानगर की वादियों में स्वाद और भी घुल गया। अंत में 4 बिहार बटालियन के लेफ्टिनेंट कर्नल विकास मंडल और सुबेदार मेजर शीतल सिंह ने सभी कैडेट्स और एएनओएस की भुर्रि-भुर्रि प्रशंसा की और सभी की शुभकामनाएं दीं। तेजपुर ग्रुप के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर मयंक वैद्य ने कर्नल समुद्र विजय शर्मा, एडम अधिकारी, सभी पीआई स्टाफ की जम कर तारीफ की और पूरे देश से आए हुए एनसीसी कैडेट्स को इस सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

कई दुर्गा पूजा पंडालों के पट खुले, कहीं बृहदेश्वर तो कहीं द्वारिकाधीश मंदिर के दर्शन को उमड़ें श्रद्धालु

रांची: राजधानी रांची में बुधवार को शारदीय नवरात्र के चौथे दिन नौ दुर्गा पूजा पंडालों के पट खुल गए। पट खुलते ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भक्त आकर्षक सजावट, भव्य पंडालों और मां दुर्गा की मनमोहक प्रतिमाओं के दर्शन के लिए पहुंचने लगे। कहीं दक्षिण भारतीय मंदिर की स्थापत्य कला देखने को मिली, तो कहीं महाभारत के प्रसंगों को जीवंत झांकियों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। जय माता दी के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो उठा।

भारतीय युवक संघ: एक करोड़ में तैयार बृहदेश्वर मंदिर की झलक बकरी बाजार स्थित भारतीय युवक संघ का पूजा पंडाल इस बार तमिलनाडु के तंजावुर स्थित प्रसिद्ध बृहदेश्वर मंदिर की तर्ज पर तैयार किया गया है। प्रवेश द्वार के ऊपर ध्यानमग्न भगवान भोलेनाथ और उनके समीप विराजमान नंदी श्रद्धालुओं का ध्यान खींच रहे हैं। पंडाल की बाहरी दीवारों पर देवी-देवताओं की प्रतिमाएं उकेरी गई हैं, जबकि अंदर स्वर्णाभूषणों से सुसज्जित मां दुर्गा का दिव्य स्वरूप भक्तों को आकर्षित कर रहा है।

चंद्रशेखर आजाद क्लब: द्वारिकाधीश मंदिर की भव्यता : अलबर्ट एक्का चौक स्थित चंद्रशेखर आजाद क्लब दुर्गा पूजा समिति ने गुजरात के प्रसिद्ध द्वारिकाधीश मंदिर के प्रारूप पर भव्य पंडाल तैयार किया है। मंदिर की आकर्षक कलाकृतियां और सुंदर प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रही हैं।

राजस्थान मित्र मंडल: महाभारत के प्रसंगों की जीवंत झांकी सेवा सदन पथ स्थित राजस्थान मित्र मंडल ने इस बार काल्पनिक थीम पर पूजा पंडाल तैयार किया है। इसके अंदर महाभारत के विभिन्न प्रसंगों को चलंत झांकियों के माध्यम से जीवंत रूप में दर्शाया गया है। प्रत्येक प्रसंग के नीचे उसका विवरण भी दिया गया है।

श्री रामलला पूजा समिति: स्वर्वेद महामंदिर की तर्ज पर बना पंडाल जिला स्कूल परिसर स्थित श्री रामलला पूजा समिति के पंडाल का उद्घाटन बुधवार को राज्यपाल संतोष गंगवार ने किया। वाराणसी के स्वर्वेद महामंदिर की तर्ज पर बने इस पंडाल की चौड़ाई 150 फीट और ऊंचाई लगभग 100 फीट है। इसके मध्य में निर्मित गर्भगृह की ऊंचाई 30 फीट है। उद्घाटन के दौरान मां के दरबार में नौ कन्याओं का पूजन किया गया। मौके पर रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, महापौर रोशनी खलखो, सांसद दीपक प्रकाश और अन्य अतिथि उपस्थित थे।

रक्तदान से जीवनदान तक: जेवीएम एलुमनी की अनूठी पहल, अब जरूरत पर रक्त उपलब्ध कराने में मिलेगी मदद

विज्ञान प्रदर्शनी के अवसर पर रक्तदान शिविर आयोजित, ब्लड कार्ड के जरिए जरूरतमंद पूर्व छात्रों की सहायता का संकल्प

मेट्रो रेज

रांची: जवाहर विद्या मंदिर (जेवीएम), श्यामली में विज्ञान प्रदर्शनी 2026 के अवसर पर जेवीएम एलुमनी एसोसिएशन ने विद्यालय प्रशासन एवं बिरसा ब्लड बैंक, खुंटी के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया। एसोसिएशन की इस पहली गतिविधि में पूर्व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर मानवता, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश दिया।

शिविर की विशेष पहल के तहत बिरसा ब्लड बैंक ने रक्तदान करने वाले एलुमनी सदस्यों के लिए ब्लड कार्ड जारी कर एसोसिएशन को सौंपे। इससे भविष्य में किसी पूर्व छात्र को रक्त की आवश्यकता होने पर एसोसिएशन के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। रक्तदाताओं को पौधे, प्रमाणपत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य विभूति नाथ झा को पौधा भेंट कर आभार व्यक्त किया गया। उन्होंने एसोसिएशन की पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी सहयोग



का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम में चंद्रकांत रायपत, गुरप्रीत सिंह, दीपिका, अंजना, अंशुमन, पल्लवी, अमित जैन, नूपुर जैन, शत्रुघा, बादल, बंटी, डॉ। मोती प्रसाद, श्रीराम सिंह, राहुल दयाल, प्रकाश कुमार, अभिषेक एवं सुमिता सहित अन्य पूर्व छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बिरसा ब्लड बैंक और आकाश प्रिंटिंग प्रेस ने भी सहयोग

किया। इस आयोजन में वर्षों बाद विभिन्न बैचों के पूर्व छात्रों को आपस में मिलने और विद्यालय से दोबारा जुड़ने का अवसर मिला। एसोसिएशन ने भविष्य में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम, विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन सत्र, खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों और वार्षिक एलुमनी मिलन आयोजित करने की प्रतिबद्धता जताई।

24 अक्तूबर को रांची आएंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

संवाददाता



रांची: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन दो दिवसीय दौरे पर 24 अक्तूबर को रांची पहुंचेंगे। रांची आगमन के बाद वह एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसके अगले दिन, 25 अक्तूबर को वह प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में हिस्सा लेंगे।

25 अक्तूबर को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक: नितिन नवीन 25 अक्तूबर को प्रदेश भाजपा कार्यालय में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में शामिल होंगे। बैठक में पार्टी के प्रदेश स्तर के नेता और पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा बैठक में मुख्य रूप से आगामी गिरिडीह उपचुनाव को लेकर रणनीतिक चर्चा होने की संभावना है। पार्टी चुनाव की तैयारियों और आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श कर सकती है।

प्रदर्शन खत्म नहीं, सिर्फ स्थगित, जांच से असंतुष्ट हुए तो फिर सड़क पर उतरेंगे छात्र

रांची: छात्र आदित्य कुमार की संदिग्ध मौत के बाद ट्रिपल आईटी रांची में शुरू हुआ विद्यार्थियों का आंदोलन फिलहाल थम गया। संस्थान की व्यवस्था में सुधार और मामले की जांच को लेकर मिले आश्वासनों के बाद छात्रों ने अपना विरोध स्थगित करने का फैसला लिया।

शिक्षा मंत्रालय ने संस्थान के निदेशक प्रो राजीव श्रीवास्तव को 30 दिन की छुट्टी पर भेज दिया है। उनकी अनुपस्थिति में पश्चिम बंगाल स्थित आईआईएसटी शिबपुर के निदेशक प्रो वीएमएसआर मूर्ति को ट्रिपल आईटी रांची के निदेशक का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। वह गुरुवार को जिम्मेदारी संभाल सकते हैं।

छात्र रितिक ने बताया कि तीन सदस्यीय जांच कमेटी की ओर से उन्हें जानकारी दी गई है कि



उनकी अधिकांश मांगों पर कार्रवाई की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। कैटीन की स्थिति सुधारने, एंबुलेंस की समुचित व्यवस्था करने, सीसीटीवी कैमरे लगाने और सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने का आश्वासन दिया गया है। छात्रों का कहना है कि संस्थान की दूसरी व्यवस्थाओं को भी बेहतर बनाने और आदित्य की मौत के मामले में उच्चस्तरीय जांच कराने की बात कही गई है।

छात्र पीयूष, राजन और अन्य विद्यार्थियों ने भी कहा कि संस्थान को बेहतर बनाने के लिए मिले आश्वासनों के आधार पर आंदोलन फिलहाल स्थगित किया गया है। छात्रों ने स्पष्ट किया कि उनकी मांग केवल प्रशासनिक कार्रवाई तक सीमित नहीं है। वे चाहते हैं कि संस्थान में चिकित्सा सहायता, सुरक्षा और दूसरी बुनियादी सुविधाएं ऐसी हों कि किसी आपात स्थिति में विद्यार्थियों

को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। अब इन आश्वासनों पर अमल का इंतजार रहेगा।

शिक्षा मंत्रालय ने छात्र आदित्य की मौत की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। दिल्ली विश्वविद्यालय के साउथ कैम्पस की निदेशक प्रो रजनी अब्बी इसकी अध्यक्षता करेंगी। कमेटी में मूलचंद अस्पताल के मनोचिकित्सक डॉ जितेंद्र नागपाल और शिक्षा मंत्रालय के एक उपसचिव शामिल हैं। कमेटी को दो सप्ताह में रिपोर्ट सौंपनी है।

वहीं, संस्थान में विवादों में आई गैर-शैक्षणिक पदों की नियुक्ति प्रक्रिया भी रद्द कर दी गई है। प्रशासन के अनुसार, इस प्रक्रिया के लिए शुल्क जमा करने वाले अभ्यर्थियों को राशि वापस की जाएगी। आंदोलन के दौरान विद्यार्थियों ने कथित वित्तीय और प्रशासनिक अनियमितताओं का

मुद्दा उठाते हुए नौ पन्नों का दस्तावेज भी सौंपा था।

खेलगांव स्थित ट्रिपल आईटी के छात्रावास में 10 अक्टूबर की देर रात प्रथम वर्ष के छात्र आदित्य कुमार की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। इसके बाद 11 अक्टूबर से विद्यार्थियों ने विरोध शुरू किया। छात्रों ने आरोप लगाया था कि घटना के बाद चिकित्सा सहायता पहुंचाने में देरी हुई। उन्होंने हॉस्टल की लिफ्ट खराब होने, एंबुलेंस में ऑक्सीजन की व्यवस्था नहीं होने और सुरक्षा व्यवस्था में खामियों पर भी सवाल उठाए थे।

विद्यार्थी निदेशक और डीन एकेडमिक की जवाबदेही तय करने की मांग कर रहे थे। बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) एके भट्ट के साथ कई दौर की बातचीत के बावजूद पहले



सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सख्ती पर सवाल

पिछले दिनों राजधानी दिल्ली में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सरकार की सख्ती के उपरांत सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप यह बताता है कि कानून-व्यवस्था बनाये रखने के नाम पर संविधान द्वारा नागरिकों को मिली आजादी का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। कोर्ट द्वारा हिरासत में रखे लोगों को रिहा करने, मेट्रो सेवाएं बहाल करने तथा इंटरनेट सुविधा यथाशीघ्र चालू करने का निर्देश देकर कोर्ट ने साफ संदेश देने का प्रयास किया कि शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन लोकतंत्र में एक मूलभूत अधिकार है, न कि सरकार द्वारा दी गई सुविधा। उल्लेखनीय है कि गत दस अक्तूबर को कॉकरोच जनता पार्टी और कुछ अन्य संगठनों ने मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था। जिसको रोकने के लिये दिल्ली सरकार ने अभूतपूर्व सुरक्षा उपाय किए थे। इस दौरान सात हजार से अधिक लोगों को हिरासत में लिए जाने को लेकर सवाल उठाये गए। लोगों ने जगह-जगह सड़कों पर अवरोधक लगाने, क्षेत्र के मेट्रो स्टेशनों पर बंदिश लगाने तथा प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध सख्ती को लेकर चिंता जाहिर की। कहा गया कि पुलिस ने एहतियाती दायित्वों से बढ़कर आंदोलनकारियों के खिलाफ कार्रवाई की। निस्संदेह, आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जवाबदेही अधिकारियों की बनती है। जब आंदोलन आदि के दौरान हिंसा होने और सार्वजनिक व्यवस्था भंग होने की आशंका हो तो आसन्न खतरों के मद्देनजर अधिकारियों की कार्रवाई करना बनता है। लेकिन यह भी जरूरी है कि इन अधिकारों का उपयोग कानून की सीमाओं में ही किया जा सकता है।

लेकिन सवाल है कि सिर्फ शांतिपूर्ण ढंग से एकत्र होने पर लोगों को हिरासत में लेना, निर्धारित निषेधाज्ञा वाले इलाकों से बहुत दूर तक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना, सार्वजनिक सेवाओं पर रोक लगे तो क्या यह आम लोगों को दंड देने जैसा नहीं है? तभी शीर्ष अदालत ने कोर्ट-परिसर के आस-पास रोक लगाने वाले नोटिस भी तुरंत हटाने के निर्देश दिए। जिससे नागरिक-अधिवक्ता बिना किसी बाधा के यहां पहुंच सकें। दरअसल, विपक्षी दल लोगों को हिरासत में रखने और जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग की निष्पक्ष जांच की भी मांग कर रहे हैं। निस्संदेह, पुलिस को भी अपनी बात रखने का मौका दिया जाए। बेशक, प्रदर्शनकारियों के साथ ही कानून लागू करने वाली एजेंसियों को भी जवाबदेह बनाया जाए। यह एक हकीकत है कि देश के लोकतांत्रिक संस्थानों में जनता का भरोसा विश्वसनीय जवाबों, खुली व निष्पक्ष जांच और संस्थागत आजादी पर ही निर्भर करता है। वहीं एक मजबूत लोकतंत्र में शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को लेकर संशय नहीं होना चाहिए। जरूरी है कि वह असंतुष्ट लोगों की शिकायतों को सुनें, असहमति का सम्मान करते हुए कानून-व्यवस्था बनाये रखें और अदालत के निर्देशों का सम्मान करें। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने एक महत्वपूर्ण सीमा-रेखा खींची है। इसी आलोक में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश की राष्ट्रीय राजधानी की सड़कों में संविधान प्रदत्त स्वतंत्रता का अतिक्रमण न हो। हालांकि, सीजेपी व विपक्ष के तैवरों को देखते हुए यह करना आसान भी नहीं होगा।

एसआईआर की विसंगतियां

देश में चल रहे सोशल इंटींसिव रिवीजन यानी एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से ही तमाम तरह के विवाद जुड़े रहे हैं। बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले आनन-फानन में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक दलों से लेकर प्रभावित लोगों ने तमाम सवाल उठाये। फिर पश्चिम बंगाल में भी कई विवाद सामने आए। जब विवाद बढ़ा तो देश की शीर्ष अदालत ने हस्तक्षेप किया। पश्चिम बंगाल में अभी मामला टंडा पड़ा भी न था कि देश की नामचीन हस्तियों के वोटर रिर्कॉर्ड में कथित विसंगतियों के चलते नोटिस दिये जाने के बाद विवाद नये सिरे से सामने आया है। जिन लोगों को चुनाव आयोग के अधिकारियों की तरफ से नोटिस भेजे गए हैं, उनमें पूर्व प्रधानमंत्री एल.के.आडवाणी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता व आप सुप्रियो अरविंद केजरीवाल भी शामिल हैं। सबसे अजीब बात तो यह है कि चुनाव आयुक्त एस.एस.संधू को भी इस प्रक्रिया के तहत नोटिस भेजा गया है। जबकि इस प्रक्रिया को खुद भारतीय निर्वाचन आयोग चला रहा है। जब एसआईआर की जटिल प्रक्रिया की कसौटी पर देश के जागरूक व दिग्गज नेता ही खरे नहीं उतर रहे हैं तो आम आदमी की क्या बिसात? ऐसे में सामान्य लोगों को अपनी दावेदारी के लिये कागजात जुटाने में कितनी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा होगा, इसका अंदाजा सहज लगाया जा सकता है। यह प्रक्रिया कितनी जटिल हो चली है, वह इस बात से पता चलता है कि मात्र दिल्ली में ही 33 लाख से ज्यादा लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। ये नोटिस विशेष रूप से उन मामलों में जारी किए गए हैं जहां वोटरों को वर्ष 2002 के गहन संशोधन से नहीं जोड़ा जा सका है। दरअसल, एसआईआर प्रक्रिया में 2002 के गहन संशोधन से जोड़ने का प्रावधान बाद में शामिल किया गया । इस व्यवधान की वजह यह है कि नौकरी व शहर बदलने वाले बहुत सारे लोग दो दशक से अधिक समय का पर्याप्त रिकॉर्ड नहीं रख पाते।

हालांकि, नया विवाद सामने आने के बाद चुनाव आयोग और दिल्ली के मुख्य चुनाव अधिकारी ने इस बात पर बल दिया है कि एसआईआर की प्रक्रिया में नोटिस मिलने का मतलब यह नहीं है कि वोट काटा जायेगा। आश्वासन दिया जा रहा है कि वोटरों को दस्तावेज जमा करने और जवाब देने का पर्याप्त मौका दिया जाएगा। साथ यह भी कि अंतिम फैसला उचित प्रक्रिया के प्रावधानों के तहत ही लिया जायेगा। निश्चित रूप से यह सुरक्षा आश्वासन बेहद जरूरी है क्योंकि प्रक्रिया में शामिल न हो सकने वाले वोटर तमाम तरह की आशंकाओं से जूझ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं है कि वोटर लिस्ट को समय-समय पर अपडेट किया ही जाना चाहिए। जिससे वोटरों के दोहराव, अयोग्य व मृत वोटरों के नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकें। लेकिन साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि कोई योग्य नागरिक वोटर लिस्ट से बाहर न रह जाये। निस्संदेह, ये दोनों ही मकसद समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, दिवंगत अर्थशास्त्री बिबेक देबरॉय का नाम उन लोगों की सूची में आना, जिनका डेटा पिछले एसआईआर से जुड़ नहीं पाया था, यह दिखाता है कि डेटाबेस आधारित प्रक्रियाओं में कितनी विसंगतियां हो सकती हैं। इस तरह पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सामने आई जटिलताएं व्यवस्था की विसंगतियों का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, हो सकता है कि वे एक दशक से अधिक समय तक वोट न दे पाएं। ऐसे मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा बनाए गए अपीलीय ट्रिब्यूनल को उनकी अपीलों पर फैसला लेने में बारह साल से अधिक का समय लग सकता है। इससे पूरे देश के लिये यह सीख मिलती है कि हर योग्य वोटर को, अब चाहे वह विशिष्ट व्यक्ति हो या आम नागरिक- वोटर लिस्ट में बने रहने का उचित अवसर मिलना चाहिए। इस पूरी कवायद की विश्वसनीयता बनाये रखने के लिये एक पारदर्शी और समीक्षा योग्य प्रक्रिया की जरूरत है।

‘मिसाइल मैन’ जो महिला सशक्तीकरण को मजबूत राष्ट्र का आधार मानते थे

उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में कार्य करते हुए भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपास्त्र का नेतृत्व किया और 1998 के पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षण में मुख्य भूमिका निभाई। इंडिया 2020 और प्रौद्योगिकी विजन 2020 के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार किया। विंग्स ऑफ फायर और इनाइटेड माइंड्स जैसी प्रेरणादायक पुस्तकें लिखीं और युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपना पूरा जीवन शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिया।

ए पीजे अब्दुल कलाम की 'भारत का मिसाइल मैन और 'जनता का राष्ट्रपति' कहा जाता है। वे कहते थे कि सपने वो नहीं, जो सोने के बाद देखते हैं, सपने वो हैं, जो आपको सोने नहीं देते। यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं तो पहले सूरज की तरह जलना सीखना होगा।' उनका जन्म 15 अक्टूबर, 1931 को तमिलनाडु के रामेश्वरम में हुआ था। उनको भारत के 11वें राष्ट्रपति, महान एयरस्पेस वैज्ञानिक और युवाओं के सबसे बड़े प्रेरणास्रोत के रूप में जाना जाता

डॉ. लोकेश कुमार चन्देल

है। उन्हें एक ऐसे शिक्षक के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने जीवन का अंतिम क्षण भी छात्रों को पढ़ाते हुए बिताया। उनका पूरा नाम अवुल पाकिर जैनुलआबदीन अब्दुल कलाम है। उन्हें बच्चों और छात्रों से बेहद लगाव था इसलिए उनकी जयंती को 'विश्व छात्र दिवसर' के रूप में भी मनाया जाता है। वे इसरो और डीआरडीओ में रहकर देश के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपण यान (एएएलवी- 3 वी) समेत कई मिसाइल कार्यक्रमों में अहम योगदान दिया। उन्हें 1997 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ह्यभारत रत्नहू से सम्मानित किया गया।

उन्होंने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन में रहते हुए ह्यअग्निहू और पृथ्वी जैसी बैलिस्टिक मिसाइलों के विकास में अहम भूमिका निभाई, जिससे उन्हें यह उपाधि मिली। उनका कार्यकाल 2002 से 2007 तक राष्ट्रपति रहने के दौरान उनका सरल स्वभाव, बच्चों और युवाओं से जुड़ाव और सादा जीवन उन्हें जनता का राष्ट्रपति बनाता है।

उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में कार्य करते हुए भारत के पहले स्वदेशी उपग्रह प्रक्षेपास्त्र का नेतृत्व किया और 1998 के पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षण में मुख्य भूमिका निभाई। इंडिया 2020 और प्रौद्योगिकी विजन 2020 के माध्यम से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का रोडमैप तैयार किया। विंग्स ऑफ फायर और इनाइटेड माइंड्स जैसी प्रेरणादायक पुस्तकें लिखीं और युवाओं को प्रेरित करने के लिए अपना पूरा जीवन शिक्षक के रूप में समर्पित कर दिया। उन्होंने भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न (1997) के अलावा पद्म विभूषण (1990) और पद्म भूषण (1981) से भी सम्मानित किया गया था।

उनका मानना ​​था कि किसी भी देश के भविष्य की नींव उसके क्लासरूम में होती है। प्राथमिक शिक्षा में रचनात्मकता और ज्ञान को बढ़ावा मिलना बहुत आवश्यक है। असफलता से कभी घबराना नहीं चाहिए क्योंकि असफलताएं ही आगे चलकर सफल होने के नए आइडिया देती हैं। एक सुंदर और भ्रष्टाचार मुक्त समाज के निर्माण में परिवार की मुख्य भूमिका होती है, इसमें माता-पिता और शिक्षक की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में सही संस्कार डालें। खुश रहने का सबसे बड़ा मंत्र है कि उम्मीद हमेशा खुद से रखें, किसी और ईसान से नहीं। उनका कहना था कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी पाना या डिग्री हासिल करना नहीं है बल्कि एक अच्छे और संवेदनशील इंसान का निर्माण करना है। उनका कहना था कि सच्ची शिक्षा वही है, जो छात्रों में मानवीय मूल्य, अनुशासन, सत्यनिष्ठा और चरित्र का विकास करे। उनका विचार था कि किसी भी देश के भविष्य की नींव बोर्डरूम में नहीं बल्कि क्लासरूम (कक्षाओं) में रखी जाती है। एक अच्छी शिक्षा प्रणाली वह है, जो बच्चों में नई चीजें सीखने की

जिज्ञासा, प्रश्न पूछने की क्षमता और रचनात्मकता को बढ़ावा दे। वे चाहते थे कि शिक्षा ऐसी हो, जो युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला न बनाए बल्कि उन्हें नौकरी देने वाला और 'उद्यमी तैयार करे। वे स्वयं को एक शिक्षक कहलाना पसंद करते थे। उनके अनुसार शिक्षक का काम बच्चों में क्षमताएं खोजने और उन्हें प्रेरित करने का होना चाहिए। उन्होंने बचपन से ही बच्चों में वैज्ञानिक सोच, कौशल विकास और तकनीकी समझ को मजबूत करने पर जोर दिया। उनका मानना ​​था कि कॉलेज या यूनिवर्सिटी की डिग्री से ज्यादा महत्वपूर्ण वह बुनियादी और मूल्य-आधारित शिक्षा है, जो बच्चे को उसके बचपन में मिलती है।

डॉ . कलाम का कहना था कि धर्म और अध्यात्म पर विचार अत्यंत उदार, समावेशी और मानवतावादी थे। वे एक सच्चे मुसलमान थे, जो नियमित रूप से नमाज पढ़ते, रोजा रखते थे और कुरान का अध्ययन करते थे लेकिन इसके साथ ही वे सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान भी करते थे। उनका मानना ​​था कि व्यक्तिगत आस्था और धर्म अपनी जगह हैं लेकिन जब देश की बात आती है, तो सबसे बड़ी पहचान भारतीय होनी चाहिए। उन्होंने इनाइटेड माइंड्स जैसी पुस्तकों में लिखा कि जब तक हम धार्मिक पहचान से ऊपर उठकर राष्ट्र को प्राथमिकता नहीं देंगे, विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता। वे धर्म को जोड़ने का माध्यम मानते थे, बांटने का नहीं। उनका विचार था कि ह्यमहान लोग धर्म को दोस्त बनाने का जरिया मानते हैं, जबकि छोटे लोग इसे लड़ने का हथियार बना लेते हैं। वे केवल इस्लाम तक सीमित नहीं थे, उन्होंने भागवद्गीता का अध्ययन किया, वीणा बजाई और प्रमुख स्वामी महाराज जैसे आध्यात्मिक गुरुओं से गहरे जुड़े रहे।

वैज्ञानिक कार्यों के दौरान वे तिरुपति मंदिर भी जाते थे। उनके लिए विज्ञान और अध्यात्म एक ही सिक्के के दो पहलू थे। उनका मानना ​​है कि पूरी मानवता और ब्रह्मांड एक ही सर्वोच्च शक्ति की व्यवस्थाएं हैं। उन्होंने हमेशा यही सिखाया कि ईसानियात ही सबसे बड़ा धर्म है।

वे महिला सशक्तीकरण के प्रबल समर्थक थे। उनका मानना ​​था कि किसी भी देश और समाज के तीव्र विकास के लिए महिलाओं का सशक्त होना सबसे पहली शर्त है। वे हमेशा कहा करते थे कि जब महिलाओं को सशक्त बनाया जाता है, तो एक स्थिर, सुरक्षित और शांतिपूर्ण समाज सुनिश्चित होता है। महिलाओं का सशक्तीकरण एक अच्छे परिवार, अच्छे समाज और अंततः एक मजबूत राष्ट्र के तीव्र विकास की ओर ले जाता है। उनका कहना था कि संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए, क्योंकि उनकी कार्यशैली और मूल्य प्रणाली देश को सही दिशा दे सकती है। महिलाओं को शिक्षित करने से न केवल उनका जीवन सुधरता है बल्कि समाज में जागरूकता आती है और जनसंख्या वृद्धि को भी नियंत्रित करने में मदद मिलती है। उन्होंने हमेशा कृषि, हस्तशिल्प और उद्योगों में महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने की बात कही, ताकि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। नारी को ईश्वर की सबसे सुंदर रचना मानते थे। उन्होंने अपने जीवन में दो महिलाओं को अपना सबसे बड़ा मार्गदर्शक और प्रेरणास्रोत बताया था। उन्होंने सरलता, सादगी और निःस्वार्थ प्रेम सीखा। बहरहाल हम कह सकते हैं कि एपीजे अब्दुल कलाम का जीवन बच्चों, महिलाओं और वैज्ञानिकों के लिए प्रेरणापुंज है।

यमन में सऊदी-हूती संघर्ष

वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की स्थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निकट गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा।

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष पश्चिम एशिया की सबसे गंभीर सुरक्षा चुनौतियों में से एक है। यह संघर्ष यमन के लंबे समय से जारी गृहयुद्ध, राजनीतिक अस्थिरता, क्षेत्रीय शक्ति-संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक हितों का परिणाम है। वर्ष 2014 में हूती विद्रोहियों द्वारा यमन की राजधानी सना पर कब्जा करने के बाद संघर्ष ने व्यापक रूप ले लिया। मार्च 2015 में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य मठबंधन के हस्तक्षेप ने इसे घरेलू राजनीतिक संकट से क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौती में बदल दिया। यद्यपि कूटनीतिक प्रयासों से तनाव कम करने की कोशिशें हुई हैं, फिर भी यह संघर्ष मानवीय सुरक्षा, समुद्री व्यापार और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

इस संघर्ष का पहला प्रमुख कारण यमन में राजनीतिक अस्थिरता और कमजोर शासन व्यवस्था है। वर्ष 2011 के अरब स्प्रिंग के दौरान व्यापक विरोध प्रदर्शनों के कारण राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह को सत्ता छोड़नी पड़ी। उनके उत्तराधिकारी अब्दरब्बूह मंसूर हादी एक प्रभावी और समावेशी शासन स्थापित करने में सफल नहीं हो सके। भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता और कमजोर सरकारी संस्थाओं ने राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया। परिणामस्वरूप, विभिन्न सशस्त्र समूहों और राजनीतिक शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ी, जिससे हूती आंदोलन के विस्तार के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनीं।

दूसरा प्रमुख कारण हूती आंदोलन की राजनीतिक और सामाजिक शिकायतें हैं।

हूती आंदोलन, जिसे अंसार अल्लाह भी कहा जाता है, उत्तरी यमन के जैदी शिया समुदाय से उभरा। इसके समर्थकों ने राजनीतिक उपेक्षा, आर्थिक पिछड़ेपन और धार्मिक-सांस्कृतिक हाशिये पर रखे जाने के विरुद्ध आवाज उठाई। समय के साथ यह रे भारत में अलग-अलग स्थानों पर देवी सती के शक्तिपीठ स्थापित हैं। देवी सती के अंगों से 51 शक्तिपीठों का निर्माण हुआ था। जिनमें से उज्जैन का हरसिद्धि माता मंदिर शामिल है। हरसिद्धि मंदिर महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के पास स्थित है। नवरात्रि या फिर किसी भी खास मौके पर मंदिर में भव्य नजारा देखने को मिलता है।

ज्यादा संख्या में श्रद्धालु हरसिद्धि माता के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको हरसिद्धि मंदिर से जुड़ी कथा और महत्वपूर्ण जानकारी के बारे में बताते जा रहे हैं।

आंदोलन एक शक्तिशाली सशस्त्र संगठन बन गया। हालांकि इसकी जड़ें यमन की घरेलू परिस्थितियों में हैं लेकिन इसके सैन्य विस्तार और प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के साथ संघर्ष ने देश की अस्थिरता को और बढ़ाया।

वर्ष 2014 में हूतियों द्वारा राजधानी सना पर कब्जा करना संघर्ष का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने देश के कई अन्य क्षेत्रों में भी अपना प्रभाव बढ़ाया। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त यमनी सरकार की थिति कमजोर हुई और राजनीतिक संक्रमण की प्रक्रिया बाधित हो गई। सऊदी अरब ने इस घटनाक्रम को अपनी दक्षिणी सीमा के निकट गंभीर सुरक्षा चुनौती के रूप में देखा। यमन के साथ लंबी साझा सीमा होने के कारण सऊदी अरब को आशंका थी कि हूतियों का विस्तार उसकी क्षेत्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हितों को प्रभावित कर सकता है।

सऊदी अरब की सुरक्षा संबंधी चिंताएँ संघर्ष का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण हैं। हूतियों द्वारा सऊदी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों तथा सैन्य ठिकानों एवं महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाए जाने से दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ा। मार्च 2015 में सऊदी अरब ने हूतियों की बढ़ती शक्ति को रोकने और मान्यता प्राप्त यमनी सरकार को समर्थन देने के उद्देश्य से सैन्य हस्तक्षेप किया। हालांकि इस हस्तक्षेप का घोषित उद्देश्य यमन की सरकार को बहाल करना था लेकिन लंबे समय तक चले सैन्य अभियान से संघर्ष का समाधान और जटिल हो गया।

इस संघर्ष का व्यापक भू-राजनीतिक कारण ईरान और सऊदी अरब के बीच क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा है। ईरान ने हूती आंदोलन को विभिन्न स्तरों पर राजनीतिक, तकनीकी और सैन्य समर्थन दिया है। सऊदी अरब इसे अपनी दक्षिणी सीमा के निकट ईरानी प्रभाव बढ़ने के रूप में देखता है। हालांकि हूती आंदोलन की अपनी घरेलू जड़ें और स्वतंत्र राजनीतिक प्राथमिकताएँ भी हैं, फिर भी ईरान-सऊदी प्रतिद्वंद्विता ने संघर्ष को व्यापक क्षेत्रीय आयाम प्रदान किया। इस प्रकार यमन आंतरिक राजनीतिक संघर्ष के साथ-साथ पश्चिम एशिया की शक्ति-प्रतिस्पर्धा का भी एक

प्रमुख केंद्र बन गया।

संघर्ष के क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर परिणाम हुए हैं। इसका सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव मानवीय संकट के रूप में दिखाई देता है। लंबे समय तक चले युद्ध ने बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापित किया है तथा खाद्य असुरक्षा, कुपोषण और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी जैसी समस्याओं को गंभीर बनाया है। अस्पतालों, विद्यालयों, जलापूर्ति प्रणालियों और अन्य सार्वजनिक सुविधाओं को नुकसान पहुँचा है। कमजोर शासन व्यवस्था और आर्थिक संकट ने आम नागरिकों के जीवन को और कठिन बना दिया है। ऐसी परिस्थितियाँ उग्रवादी संगठनों के विस्तार और अवैध गतिविधियों के लिए भी अवसर पैदा कर सकती हैं। दूसरा प्रमुख प्रभाव समुद्री सुरक्षा पर पड़ा है। यमन की भौगोलिक स्थिति बाबेल-मंदेब जलडमरूमध्य के निकट होने के कारण अत्यंत रणनीतिक है। यह जलडमरूमध्य लाल सागर की अदन की खाड़ी से जोड़ता है और स्वेज नहर के कारण पश्चिम से एशिया तथा यूरोप के बीच व्यापार के लिए महत्वपूर्ण मार्ग प्रदान करता है। हूतियों द्वारा वाणिज्यिक जहाजों और समुद्री यातायात को निशाना बनाए जाने से अंतरराष्ट्रीय नौवहन की सुरक्षा प्रभावित हुई है। विशेष रूप से 2023 के अंत से लाल सागर में बढ़ते हमलों ने कई शिपिंग कंपनियों को वैकल्पिक मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित किया। अफ्रीका के दक्षिणी सिरे से जहाजों के गुजरने के कारण यात्रा का समय, ईंधन खर्च और परिवहन लागत बढ़ गई। तीसरा प्रभाव ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ा है। पश्चिम एशिया वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख केंद्र है और यहाँ की सुरक्षा संबंधी घटनाएँ अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजारों को प्रभावित कर सकती हैं। वर्ष 2019 में सऊदी अरब के अबकैक और खुरैस तेल प्रतिष्ठानों पर हुए हमलों ने महत्वपूर्ण ऊर्जा बुनियादी ढाँचे की कमजोरियों को उजागर किया। इन हमलों को केवल सऊदी-हूती संघर्ष का प्रत्यक्ष परिणाम मानना उचित नहीं होगा लेकिन उन्होंने क्षेत्रीय अस्थिरता से जुड़े व्यापक जोखिमों को स्पष्ट किया। ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमलों की आशंका से तेल की कीमतों में अनिश्चितता, बीमा लागत में

वृद्धि और वैश्विक आपूर्ति में व्यवधान का खतरा बढ़ जाता है। चौथा प्रभाव क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ा है। संघर्ष ने ईरान और सऊदी अरब के बीच अविश्वास को गहरा किया तथा पश्चिम एशिया में बाहरी शक्तियों की भूमिका को बढ़ाया। मिसाइलों, ड्रोन और अन्य आधुनिक हथियारों के बढ़ते इस्तेमाल से सैन्य प्रतिस्पर्धा तेज हुई है। इससे क्षेत्रीय देशों को अपनी रक्षा प्रणालियों, खुफिया क्षमताओं और समुद्री सुरक्षा पर अधिक संसाधन खर्च करने पड़ते हैं। इसके अतिरिक्त, संघर्ष का विस्तार व्यापक क्षेत्रीय तनाव को जन्म दे सकता है, जिससे आतंकवाद-रोधी सहयोग और अन्य कूटनीतिक प्रयास भी प्रभावित होते हैं।

वैश्विक व्यापार पर इसका प्रभाव भी महत्वपूर्ण है। लाल सागर और स्वेज नहर का मार्ग अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति शृंखलाओं के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस क्षेत्र में असुरक्षा से माल की दुर्लाभ महँगी हो सकती है, वस्तुओं की आपूर्ति में देरी हो सकती है और आयात पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए खाद्य पदार्थों, ईंधन और औद्योगिक वस्तुओं की बढ़ती परिवहन लागत आर्थिक चुनौतियों को और गंभीर बना सकती है।

इस संघर्ष का स्थायी समाधान सैन्य कार्रवाई के बजाय समावेशी राजनीतिक प्रक्रिया और क्षेत्रीय कूटनीति में निहित है। संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हूती आंदोलन, मान्यता प्राप्त यमनी सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के बीच सार्थक वार्ता को आगे बढ़ाना आवश्यक है। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, सत्ता-साझेदारी, सुरक्षा व्यवस्था और राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायसंगत वितरण से जुड़े मुद्दों का समाधान किया जाना चाहिए। साथ ही, सऊदी अरब और ईरान के बीच संवाद तथा विश्वास-निर्माण के उपायों को मजबूत करना जरूरी है। वर्ष 2023 में दोनों देशों के बीच संबंध सुधारने की दिशा में हुई प्रगति का उपयोग यमन में शांति स्थापित करने के लिए किया जा सकता है।

उज्जैन : हरसिद्धि माता मंदिर में गिरी थी सती की कोहनी, बना 51 शक्तिपीठों का केंद्र



हरसिद्धि माता शक्तिपीठ मंदिर

धार्मिक मान्यता के मुताबिक जब देवी सती के शरीर में अंग जिस-जिस स्थान

शक्ति का केंद्र माना जाता है।

कथा

उज्जैन के पवित्र स्थलों में हरसिद्धि माता शक्तिपीठ शामिल है। मंदिर में महासरस्वती और महालक्ष्मी की मूर्ति विराजमान है। इन मूर्ति के बीच में मां अन्नपूर्णा की मूर्ति भी है। इसके अलावा श्रीयंत्र भी स्थापित है। जिसकी विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। शिव पुराण के मुताबिक जब भोलेनाथ यज्ञ की अग्नि से देवी सती के जलते शरीर को उठाकर ले जा रहे थे, तो मां सती की दाहिनी कोहनी यहां पर गिरी थी। जिसके बाद इस स्थान पर हरसिद्धि माता शक्तिपीठ बना।

पौराणिक कथा के मुताबिक भोलेनाथ

देवी पावती के साथ कैलाश पर्वत पर एकांत में थे, तो उसी दौरान दो राक्षसों ने शिव-पावती के पास आने की कोशिश की। उनका नाम चंड और प्रचंड था। तब भगवान शिव ने राक्षसों का वध करने के लिए चंडी को बुलाया और चंडी ने राक्षसों को नष्ट कर दिया। इससे महादेव प्रसन्न हुए और देवी चंडी को सब पर विजय पाने वाली की उपाधि प्रदान की। हरसिद्धि माता मंदिर का पुनर्निर्माण मराठा काल के दौरान किया गया था। मंदिर में 2 स्तंभ हैं और रोजाना शाम को इन स्तंभों पर दीपक जलाए जाते हैं। इस दौरान मंदिर का नजारा बेहद भव्य लगता है। इस दृश्य को देखने के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं।

मेट्रो रेज की ओर से स्वताधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक :** लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार | समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवायों एवं दंडित परिवारों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :**

www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज़ IN ब्रीफ

सदर अस्पताल में इयूटी से एक घंटा गायब रहे डेंटिस्ट मरीज परेशान



साहिबगंज : सदर अस्पताल में बुधवार को सुबह दस बजे तक डेंटिस्ट डॉ. देवजीत राम इयूटी से नदारद थे। जबकि मरीज की लंबी कतार लगी थी। दरअसल सुबह दस बजे डेंटल विभाग में डेंटिस्ट डॉ. भारती कुमारी, डॉ. सागरिका व एक डेंटल हाइजैनिस्ट मौजूद थे। जबकि डॉ. देवजीत राम नदारद थे। सुबह 10:06 बजे तक डॉ. देवजीत की कुर्सी खाली थी। हालांकि इस दौरान इलाज के लिए आए मरीज महाराजपुर की तबस्सुम बीबी, बसंत यादव, सकरीगली की बुचाई देवी समेत दर्जन भर मरीज कतार में लगे थे। मरीजों का आरोप है कि जब यहां तीन डेंटिस्ट की इयूटी है। लेकिन एक डॉक्टर नदारद है। इसके चलते मरीजों को इलाज में काफी विलंब होने के चलते काफी परेशानी हुई है। यहां आए दिन डेंटल विभाग के डेंटिस्ट डॉ. देवजीत राम इयूटी से गायब रहते हैं। लेकिन इस संबंध में अस्पताल प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई है। विलंब से इयूटी पहुंचने वाला नदारद रहने पर दूर दराज से आए मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं करीब 10:14 बजे डॉ. देवजीत इयूटी पर पहुंचे हैं। इससे मरीजों को थोड़ी राहत मिली है।

पत्रकार को मातृ शोक

साहिबगंज : एक दैनिक अखबार के पत्रकार बड़तल्ला निवासी राजेन्द्र पाठक की माता सुशीला देवी(78) का मंगलवार को लंबी बीमारी के बाद उनके निजी आवास पर निधन हो गया।बुधवार को स्थानीय मुनिलाल श्मशान घाट में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गई हैं।उनके निधन पर जिला के सभी पत्रकारों व लोगों लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

साहिबगंज महाविद्यालय की प्लेटिनम जुबली की तैयारियों को लेकर बैठक



साहिबगंज : साहिबगंज महाविद्यालय की स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले प्लेटिनम जुबली समारोह की तैयारियों को लेकर बुधवार को महाविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं प्राध्यापकों ने भाग लिया। बैठक में समारोह की रूपरेखा तैयार करने, आयोजन समिति के गठन, विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के आयोजन तथा कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में रसायनशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार ने प्लेटिनम जुबली समारोह के उद्देश्य एवं महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महाविद्यालय की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह विशेष आयोजन किया जा रहा है। इसमें महाविद्यालय के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों की प्रमुख सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। इसके बाद उपस्थित प्राध्यापकों ने समारोह को यादगार एवं सफल बनाने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।अपने अध्यक्षीय संबोधन में प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने कहा कि साहिबगंज महाविद्यालय के लिए यह गौरव का अवसर है कि वह अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूर्ण कर रहा है। झारखंड और आसपास के राज्यों के गिने-चुने शिक्षण संस्थानों में शामिल होना, जिन्होंने अपनी स्थापना के 75 वर्ष पूरे किए हैं, महाविद्यालय की ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्लेटिनम जुबली समारोह महाविद्यालय की शैक्षणिक यात्रा, उपलब्धियों और योगदान को याद करने के साथ-साथ इसके गौरवशाली भविष्य की दिशा तय करने का भी अवसर होगा।उन्होंने बताया कि साहिबगंज महाविद्यालय की स्थापना 28 अक्टूबर 1951 को हुई थी। प्रारंभ में यह तिलकामांडी भागलपुर विश्वविद्यालय का अंग था। वर्ष 1992 में सिद्धो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय, दुमका की स्थापना के बाद महाविद्यालय इस विश्वविद्यालय की अंगीभूत इकाई के रूप में शामिल हुआ।प्राचार्य ने कहा कि आगामी दिनों में महाविद्यालय के पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के साथ एक अलग बैठक आयोजित की जाएगी। इसमें समारोह के आयोजन से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा, ताकि पूर्ववर्ती विद्यार्थियों के सहयोग और सहभागिता से प्लेटिनम जुबली समारोह को भव्य एवं यादगार बनाया जा सके। जबकि अंग्रेजी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संतोष कुमार चौधरी ने समारोह के दौरान आयोजित की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के संबंध में सुझाव दिए। वहीं, आयोजन समिति के समन्वयक डॉ. दिनेश कुमार यादव ने कार्यक्रम के संभावित बजट एवं अनुमानित खर्च की जानकारी दी भूगर्भशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस. आर. आई. रिजवी, मैथिली विभागाध्यक्ष डॉ. ध्रुव ज्योति कुमार सिंह, दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार, इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. शिवानंद अवस्थी, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. सोनू कुमार साहू, संधाली विभागाध्यक्ष डॉ. जीसू हासना, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष प्रो. मरियम हेब्रम तथा सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेन्द्र यादव, डॉ. रूपा दास, प्रो. कोमल कुमारी एवं प्रो. नितिन कुमार सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।बैठक में सभी उपस्थित शिक्षकों ने प्लेटिनम जुबली समारोह को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास, बेहतर समन्वय और पूर्ववर्ती विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया।

अष्ट भुजा वाली मां दुर्गा को नगर भ्रमण कराया

साहिबगंज: झरना कॉलोनी दुर्गा पूजा समिति की ओर से बुधवार को मां दुर्गा की अष्ट भुजा वाली मूर्ति जो स्थापित की जाने वाली है उसका नगर भ्रमण कराया गया। पूजा समिति महासचिव प्रेमलाल मंडल के नेतृत्व में दोपहर को मंदिर प्रांगण से फूलों से सजी रथ में मां दुर्गा की सोने की बनी मूर्ति ओर मां की अष्ट भुजा वाली मूर्ति के प्रारूप तैलीय चित्र को रथ में सजित करके मां को नगर में स्थित दुर्गा मंदिर, काली मंदिर और सभी मंदिर का भ्रमण कराया और मां के मूर्ति का सभी मंदिरों में स्पर्श पूजन किया गया। वहीं पश्चिम बंगाल के नदिया जिला के महिला पुरुष ढाक ढोल नगाड़ा वादक इस नगर भ्रमण में आकर्षक का केंद्र रहा। दुर्गा, काली सहित विभिन्न देवी देवताओं का वेश में ढलियाए नगर भ्रमण की। शोभा यात्रा झरना कॉलोनी से निकलकर पोखरिया बड़ी काली मंदिर, बड़ी दुर्गा मंदिर, चौक बाजार दुर्गा मंदिर, दहला दुर्गा मंदिर, पश्चिम फाटक होकर गोरबाड़ी हटिया दुर्गा मंदिर होते हुए झरना कॉलोनी दुर्गा मंदिर जाकर शोभा यात्रा समाप्त हुई। आचार्य रंजय शास्त्री ने बताया कि मंदिर में लगभग शत चंडी यज्ञ की जा रही है।

15 दिनों से बिजली गुल आक्रोशित ग्रामीणों ने मुख्य सड़क की जाम

इंग्लिश में ट्रांसफार्मर जलने से ठप है बिजली आपूर्ति, कनीय अभियंता ने शाम तक नया ट्रांसफार्मर लगाने का दिया आश्वासन

संवाददाता
साहिबगंज/उधवा: प्रखंड के उत्तरी सरफराजगंज पंचायत के इंग्लिश बाबू टोला गांव में पिछले 15 दिनों से बिजली आपूर्ति ठप है इसी को लेकर ग्रामीणों ने बुधवार दोपहर उधवा-राधानगर मुख्य सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों के खिलाफ नाराजगी जताते हुए जल्द से जल्द नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार, करीब 15 दिन पहले गांव का ट्रांसफार्मर जल गया था,

जिसके बाद से पूरे गांव में बिजली आपूर्ति बाधित है। इस समस्या की शिकायत बिजली विभाग से की गई, लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर

नहीं बदले जाने से लोगों की परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। बिजली के अभाव में जहां ग्रामीणों को रोजमर्रा के कामकाज में दिक्कतों का

सामना करना पड़ रहा है।वहीं विद्यार्थियों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि बार-बार शिकायत करने के

बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। जिससे विवश होकर उन्हें सड़क पर उतरना पड़ा। बुधवार दोपहर टीकु शेख, रहीम शेख, राफिकुल आलम, सफिकुल शेख, बहारूल शेख, जहांगीर शेख समेत अन्य ग्रामीणों ने सड़क जाम कर विरोध जताया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग से तत्काल हस्तक्षेप कर गांव में बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की। ग्रामीणों ने कहा कि 15 दिनों से बिजली के बिना जीवनयापन करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में विभाग को मामले को गंभीरता से लेते हुए अविलंब नया ट्रांसफार्मर लगाना चाहिए। शाम तक नया ट्रांसफार्मर लगाने का आश्वासन इस संबंध में बिजली विभाग के कनीय अभियंता चंदन कुमार ने बताया कि इंग्लिश बाबू टोला गांव में 100 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि बुधवार शाम तक हर हाल में नया ट्रांसफार्मर लगा दिया जाएगा और बिजली आपूर्ति से जुड़ी समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

पशुधन विकास योजना के तहत लाभुकों के चयन अनुमोदन को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक

उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में विभिन्न पशुधन और गव्य विकास योजनाओं की समीक्षा

साहिबगंज : मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना के अंतर्गत पात्र

लाभुकों के चयन एवं विभिन्न योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में उनके कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रखंडों से प्राप्त आवेदनों, स्वीकृत एवं अस्वीकृत आवेदनों तथा प्रतीक्षा सूची की विस्तृत समीक्षा करते हुए लाभुकों के चयन एवं अनुमोदन की प्रक्रिया पर चर्चा की गई।इस दौरान गव्य विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न

योजनाओं की समीक्षा की गई। इनमें दो, पांच एवं दस दुधारू गाय-भैस वितरण योजना, हस्तचालित एवं विद्युत चालित चैफ कटर, मिलकिंग मशीन, पनीर एवं खोवा निर्माण मशीन, वर्मी कंपोस्ट, डीप बोरिंग तथा काउ मैट योजना शामिल हैं। विभिन्न प्रखंडों से प्राप्त आवेदनों एवं प्रखंड स्तरीय समितियों द्वारा अनुशंसित सूचियों के आलोक में समेकित लाभुक सूची जिला स्तरीय समिति के समक्ष अंतिम चयन एवं अनुमोदन के लिए प्रस्तुत की

गई। जबकि पशुपालन विभाग के अंतर्गत संचालित बकरा विकास योजना, सुकर विकास योजना, बैकयार्ड लेयर कुक्कुट पालन, ब्रायलर कुक्कुट पालन, बतख चूजा वितरण एवं भेड़ पालन योजना के तहत प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई।प्रखंड स्तरीय समितियों द्वारा अनुशंसित लाभुकों की समेकित सूची पर विचार-विमर्श के पश्चात जिला स्तरीय समिति द्वारा सूची का अनुमोदन किया गया। जिसमें योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ करने, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने तथा स्वरोजगार के अवसरों का विस्तार करने पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं का उद्देश्य पशुपालकों एवं किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना तथा उनकी आय में वृद्धि के अवसर उपलब्ध कराना है।बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए श्री संजय कुमार दास, जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ. रंजन कुमार झा सहित जिला स्तरीय समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लिए 34,886 आवेदनों को मिली स्वीकृति

संवाददाता
साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी श्री दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना कक्षा 1 से 10 के क्रियान्वयन, आवेदनों के अनुमोदन एवं छात्रवृत्ति राशि के भुगतान को लेकर जिला स्तरीय अनुमोदन की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए पात्र छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक निर्णय लिए गए। ई-कल्याण पोर्टल पर दर्ज आवेदनों के सत्यापन, अग्रसारण एवं अनुमोदन की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में बताया गया कि प्रधानाध्यापक स्तर से कुल 1,23,967 छात्र-छात्राओं के आवेदन पोर्टल पर दर्ज किए गए हैं। इनमें से 1,00,431 आवेदनों का सत्यापन कर जिला नोडल पदाधिकारी स्तर पर अग्रसारित किया जा चुका है।इससे पूर्व 10 सितंबर 2026 तक जिला स्तरीय द्वारा कुल 65,545 आवेदनों की स्वीकृति प्रदान की गई

थी। वहीं, 14 अक्टूबर 2026 तक शेष 34,886 आवेदनों को उपायुक्त के समक्ष अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया।उपायुक्त श्री दूबे ने प्रस्तुत आवेदनों की समीक्षा के उपरांत शेष 34,886 छात्र-छात्राओं के आवेदनों को अनुमोदित करते हुए निर्धारित दर के अनुसार छात्रवृत्ति राशि के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की। इस निर्णय से पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ उपलब्ध कराने की प्रक्रिया को गति मिलेगी तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों की शिक्षा को प्रोत्साहन मिलेगा। जबकि छात्रवृत्ति

योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों के सत्यापन, अनुमोदन एवं भुगतान की प्रक्रिया निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी पात्र विद्यार्थी योजना के लाभ से वंचित न रहे।बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए-सह-जिला कल्याण पदाधिकारी श्री संजय कुमार दास, जिला शिक्षा अधीक्षक श्रीमती उर्मिला हांसदा सहित संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

आठ सूत्री मांगों को लेकर डॉक्टरों ने काला बिल्ला लगाकर किया काम

संवाददाता
साहिबगंज : लंबित मांगों को लेकर बुधवार को सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने काली बिल्ला लगाकर कार्य किया।साथ सरकार के प्रति विरोध दर्ज कराया। चिकित्सकों ने में स्पष्ट किया है कि फिलहाल वे अपनी नियमित सेवाएं जारी रखेंगे लेकिन 21 अक्टूबर तक मांगों पर ठोस पहल नहीं होने पर 22 अक्टूबर से संपूर्ण कार्य बहिष्कार किया जा सकता है। काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन करते लोग। चिकित्सकों

का यह आंदोलन बेहतर चिकित्सा व्यवस्था, डॉक्टरों की सुरक्षा, सरकारी चिकित्सकों की कैरियर प्रगति, अस्पतालों के लॉबिज भुगतान और स्वास्थ्य संस्थानों से जुड़े नियमों में सुधार समेत आठ सूत्री मांगों को लेकर चल रहा है। चिकित्सकों की प्रमुख मांगों में झारखंड मेडिकल प्रोटेक्शन एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन और स्वास्थ्य संस्थानों में पर्चापित सुरक्षा है। व्यवस्था सुनिश्चित करना शामिल है। डॉक्टरों का कहना है कि स्वास्थ्यकर्मियों को सुरक्षित

वातावरण मिलना जरूरी है, ताकि वे बिना किसी भय के मरीजों को सेवाएं दे सकें। इसके अलावा सरकारी चिकित्सकों के लिए समयबद्ध डायनेमिक एश्योर्ड करियर प्रोग्रेशन लागू करने, रिक्त पदों पर नियमित नियुक्ति और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अपनाने की मांग की गई है। क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेंट एक्ट के प्रावधानों में यथोचित राहत देने के साथ मरीजों के हित में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने पर भी जोर दिया गया है।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई 15 किलोग्राम दूषित मिठाइयां नष्ट

संवाददाता
साहिबगंज : दुर्गा पूजा और दशहरा पर्व के मद्देनजर आमजनों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु उपायुक्त के निर्देशानुसार मंडरो प्रखंड के विभिन्न होटलों व मिठाई दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया।खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी श्री आशीष कुमार वर्मा एवं श्री नौरंगदेव कुमार के नेतृत्व में चलाए गए जांच अभियान के दौरान खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, साफ-सफाई तथा आवश्यक एफएसएसआई लाइसेंस एवं पंजीकरण की जांच की गई। निरीक्षण के क्रम में औद्योगिक रंगों के उपयोग

से तैयार लगभग 15 किलोग्राम दूषित मिठाइयां, जिनमें जलेबी, लड्डू एवं चमचम शामिल थे, मौके पर नष्ट कराई गईं।खाद्य सुरक्षा विभाग ने सभी खाद्य कारोबारियों को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों का पालन करने तथा खाद्य पदार्थों के निर्माण एवं विक्री में स्वच्छता बनाए रखने का निर्देश दिया। पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान मिलावटखोरी, प्रतिबन्धित रंगों के प्रयोग तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के उल्लंघन के मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जिला योजना कार्यालय से संबंधित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

संवाददाता
साहिबगंज : उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में कार्यालय प्रकोष्ठ में जिला योजना कार्यालय साहिबगंज से संबंधित कार्यों व योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25, 2025-26, 2026-27 व सीएसआर मद जिला विकास शाखा के अंतर्गत विभिन्न कार्यकारी एजेंसियों द्वारा संचालित योजनाओं की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने एनआरडीपी, विद्युत आपूर्ति प्रमंडल, भवन प्रमंडल, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल तथा जिला योजना पदाधिकारी से संबंधित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली।वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंतर्गत अनाबद्ध निधि से स्वीकृत कुल 48 योजनाओं में से 46 पूर्ण तथा 2 अपूर्ण पाई गईं। इनमें ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 15 में से 14, एनआरडीपी की 7 में से 6 योजनाएँ पूर्ण हैं। वहीं, जिला योजना पदाधिकारी की 18, जिला खेल पदाधिकारी की 2 भवन प्रमंडल की

2, नगर परिषद की 1 तथा जिला मत्स्य कार्यालय की 3 योजनाएँ पूर्ण कर ली गई हैं।वित्तीय वर्ष 2025-26 में जिले में कुल 70 योजनाएँ स्वीकृत हैं, जिनमें से 42 पूर्ण तथा 28 अपूर्ण हैं। एंजीसीवार समीक्षा में एनआरडीपी की 57 में से 30 विद्युत आपूर्ति प्रमंडल की 4, भवन प्रमंडल की 3 तथा जिला योजना पदाधिकारी की 4 योजनाएँ पूर्ण पाई गईं। ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल की 2 योजनाओं में से 1 पूर्ण एवं 1 अपूर्ण है। इसके अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत स्वीकृत 72 योजनाओं का कार्य प्रगति पर बताया गया।उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों को अपूर्ण

योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने, योजनाओं की नियमित निगरानी करने तथा आवंटित राशि का नियमानुसार उपयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने योजनाओं का लाभ आमजनों तक समय पर पहुँचाने के लिए कार्यों में तेजी लाने पर बल दिया।बैठक में परियोजना निदेशक, आईटीडीए श्री संजय कुमार दास जिला योजना पदाधिकारी श्री अनुप कुमार जिला शिक्षा अधीक्षक श्रीमती उर्मिला हांसदा सहित संबंधित कार्यकारी एजेंसियों के पदाधिकारी, सहायक अभियंता व कनीय अभियंता उपस्थित थे।

संदीपा धर ने

आतिश कपाड़िया को दिया

कॉमेडी से परिचय कराने का श्रेय



मुंबई नेटफ्लिक्स की चुंबक अपने मजेदार किरदारों और हल्के-फुल्के हास्य के कारण दर्शकों को काफी पसंद आ रही है। शो में संदीपा धर, किरण का किरदार निभा रही हैं, जो बाकी अजीबोगरीब किरदारों के बीच बेहद समझदार हैं। शो का हिस्सा बनने के बारे में बात करते हुए संदीपा ने कहा, एक दिन मुझे चुंबक के निर्देशक आतिश कपाड़िया का फोन आया और उन्होंने बताया कि वे नेटफ्लिक्स और जेडी के साथ मिलकर एक नया शो बना रहे हैं। ऐसे में उन्होंने मुझे इसके लिए टेस्ट देने को कहा। उनकी बात सुनकर पहले तो मैं हैरान रह गई कि कॉमेडी और मैं ? क्योंकि मैंने पहले कभी कॉमेडी नहीं की थी। लेकिन उनकी बात सुनकर मैंने हामी भर दी। संदीपा ने आगे बताया, इसके बाद जब मेरी मुलाकात आतिश कपाड़िया से हुई तो उन्होंने जिस अंदाज में मुझे पूरी कहानी सुनाई, वो उससे भी ज्यादा मजेदार था। उन्होंने जिस तरह हर किरदार को खुद निभाकर दिखाया, मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं कोई नाटक देख रही हूं। उसी

समय मैंने तय कर लिया कि मुझे इस शो का हिस्सा बनना ही है। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए संदीपा धर ने कहा, किरण का किरदार निभाना मेरे लिए बिलकुल आसान नहीं था, क्योंकि वह शो की सबसे समझदार ईसान है

। उसे अपने एक्शन से ही कॉमेडी करना था, लेकिन साथ ही इस बात का ख्याल भी रखना था कि उसके एक्शंस बनावटी न लगें। हालांकि इस बारे में मैंने आतिश से काफी चर्चा भी की थी। संदीपा की माने तो आतिश कपाड़िया की कहानी सुनाने की शैली और किरदारों को जीवंत करने की उनकी कला ने ही उन्हें चुंबक से जुड़ने के लिए प्रेरित किया। यही नहीं किरण के रूप में उनका संतुलित और सहज अभिनय शो की खासियत बनकर उभरा है और दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है।

आईफा 2027 में फिर होस्ट की कमान संभालेंगे करण जौहर, बोले-

लाइव नाइट का रोमांच कभी पुराना नहीं होता

बॉलीवुड के मशहूर फिल्ममेकर करण जौहर एक बार फिर आईफा के मंच पर होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। करण जौहर आईफा 2027 में वरुण धवन के साथ अवॉर्ड नाइट को होस्ट करेंगे। आईफा के साथ करण का रिश्ता काफी पुराना है। इस बार करण छठी बार मेजबानी करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। आईफा का 27वां एडिशन अगले साल 22 और 23 जनवरी को अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा। इस बार भी आईफा वीकेंड एंड अवॉर्ड्स में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे नजर आएंगे। शो में होस्टिंग से लेकर शानदार परफॉर्मेंस तक, दर्शकों के लिए काफी कुछ खास होने वाला है। आईफा के मंच पर अपनी वापसी को लेकर करण जौहर ने कहा, "आईफा और मेरा रिश्ता काफी पुराना है और मंच पर मेरे कुछ सबसे यादगार पल इसी इवेंट का हिस्सा रहे हैं। छह बार होस्ट करना सुनने में भले ही काफी ज्यादा लगे, लेकिन लाइव शो का रोमांच, उत्साह और अचानक होने वाले सरप्राइज कभी पुराने नहीं पड़ते। करण ने आगे कहा, "आईफा में एक अलग तरह की मस्ती और जादू है, जिसे सिर्फ महसूस किया जा सकता है। अबू धाबी वापस आना मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। मैं हंसी-मजाक, सरप्राइज और आईफा 2027 में होने वाली तमाम खास चीजों के लिए तैयार हूं। इस बार आईफा 2027 में होस्टिंग की जिम्मेदारी दो अलग-अलग जोड़ी संभालेंगी। आईफा डिजिटल अवॉर्ड्स 2027 को पंकज त्रिपाठी और अली फजल होस्ट करेंगे, जबकि मुख्य आईफा अवॉर्ड्स 2027 की कमान करण जौहर और वरुण धवन के हाथों में होगी। दोनों की जोड़ी शो में मनोरंजन का तड़का लगाती नजर आएगी। अवॉर्ड नाइट में सिर्फ होस्टिंग ही नहीं, बल्कि कई बड़े सितारों की शानदार परफॉर्मेंस भी देखने को मिलेगी। सलमान खान, शाहिद कपूर, करीना कपूर खान और जान्हवी कपूर जैसे कलाकार मंच पर अपनी परफॉर्मेंस से दर्शकों का मनोरंजन करेंगे।



करण जौहर एक बार फिर आईफा के मंच पर होस्ट के तौर पर नजर आने वाले हैं। करण जौहर आईफा 2027 में वरुण धवन के साथ अवॉर्ड नाइट को होस्ट करेंगे। आईफा के साथ करण का रिश्ता काफी पुराना है। इस बार करण छठी बार मेजबानी करने को लेकर काफी उत्साहित हैं। आईफा का 27वां एडिशन अगले साल 22 और 23 जनवरी को अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में आयोजित किया जाएगा।

‘राइज एंड फॉल 2’ में काजल राघवानी का

बड़ा खुलासा, बोलीं-

मैंने सुसाइड की कोशिश की थी



भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी रियलिटी शो ‘राइज एंड फॉल-2’ में नजर आ रही हैं। शो के दौरान काजल ने बताया कि उनके जीवन में एक ऐसा समय भी आया था, जब उन्होंने खुद की जान लेने की कोशिश की थी और हाथ की कलाई की नस काट ली थी। दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट निहारिका तिवारी ने काजल के हाथ पर कलाई कटने का निशान देखा और उसके बारे में पूछा। तब काजल ने बताया, ‘मैंने सुसाइड करते समय अपने हाथ की कलाई की नस काट दी थी।’ काजल राघवानी की इस बात ने वहां मौजूद सभी कंटेस्टेंट को चौंका दिया। वहीं, काजल की बात सुनते ही मनीष कश्यप उनसे कहते हैं, ‘मैं इंजेक्शन से डरता हूं, यहां लड़कियां हाथ काट लेती हैं। आप लोगों को इतनी हिम्मत आ कहां से रही है। शिद्दत से प्यार किए लेकिन अगर कोई भूल रहा है, तो उसे भूल जाओ। हालांकि, काजल ने साफ किया कि ऐसा उन्होंने किसी के छोड़ जाने या प्यार में नहीं किया था बल्कि अपने लिए किया था। काजल की बात सुनकर मनीष कश्यप ने उनसे पूछा कि भला कोई अपने लिए कलाई की नस क्यों काटेगा। काजल ने अपनी उस समय की मेंटल हेल्थ के बारे में बताते हुए कहा, ‘उस समय मैं जिंदगी के एक ऐसे दौर से गुजर रही थी, जब मुझे न ही दुनिया समझ आ रही थी और न ही जीने का मन था।’

ओलंपिक चैंपियन सिफान हसन न्यूयॉर्क मैराथन से हटीं, बीमारी के कारण तैयारी प्रभावित

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक की मैराथन चैंपियन नीदरलैंड की सिफान हसन ने पर्याप्त तैयारी नहीं कर पाने के कारण न्यूयॉर्क सिटी मैराथन से नाम वापस ले लिया है। उन्होंने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा कि बीमारी के कारण उनका अभ्यास प्रभावित हुआ और वह अपनी उम्मीदों के मुताबिक तैयारी नहीं कर सकीं। हसन ने लिखा, हमें और मजबूत होकर वापसी करने के लिए बहुत उत्साहित थी, लेकिन बीमारी ने मेरे प्रशिक्षण की रफ्तार धीमी कर दी। मैं उस स्थिति में नहीं हूं, जहां मैं होना चाहती थी। उन्होंने आगे कहा, कभी-कभी चीजें योजना के मुताबिक नहीं होतीं। हसन ने पेरिस ओलंपिक 2024 में मैराथन का स्वर्ण पदक जीता था। इससे पहले उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में पांच हजार और दस हजार मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। वह नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व करती हैं। हसन पिछले साल न्यूयॉर्क के पांचों नगर क्षेत्रों से गुजरने वाली मैराथन में दौड़ी थीं और छठे स्थान पर रही थीं। उसके बाद से उन्होंने किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। हसन को इस साल एड़ी की अकिलीज चोट के कारण लंदन मैराथन से भी नाम वापस लेना पड़ा था। अब बीमारी के कारण न्यूयॉर्क मैराथन से हटने के बाद उनकी प्रतिस्पर्धी वापसी के लिए इंतजार करना होगा। न्यूयॉर्क सिटी मैराथन का आयोजन एक नवंबर 2026 को होना निर्धारित है।

डेनमार्क ओपन: त्रीसा-गायत्री की जोड़ी अंतिम-16 में पहुंची, देविका सिहाग बाहर

ओडेंस। भारत की त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद ने बुधवार को डेनमार्क ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। भारतीय जोड़ी ने महिला युगल के पहले दौर में चीनी ताइपे की यान फेई चेन और हिसाह पेई शान को सीधे गेमों में हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। वहीं, महिला एकल में देविका सिहाग को हार का सामना करना पड़ा। एसजेएफ बैंक एरिना में खेले गए मुकाबले में त्रीसा और गायत्री ने 38 मिनट में चीनी ताइपे की जोड़ी को 22-20, 21-14 से पराजित किया। भारतीय जोड़ी अब क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए इंडोनेशिया की रेचल अलेसिया रोज और फेबी सेंटियानिंगरुम से भिड़ेगी। महिला युगल में भारत की एक अन्य जोड़ी को निराशा हाथ लगी। रुतुपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और काओ जि हान के खिलाफ



14-21, 14-21 से हार झेलनी पड़ी। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। महिला एकल के अंतिम-32 दौर में देविका सिहाग को थाईलैंड की पोन्पावी चोचुवोंग ने सीधे गेमों में 21-13, 21-14 से हराया। इस हार के साथ देविका की चुनौती समाप्त हो गई।

हैदराबाद । भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत की 24 रन की हार के लिए तिलक वर्मा के विकेट को निर्णायक मोड़ बताया। उन्होंने कहा कि पांच विकेट गंवाने के बावजूद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी की साझेदारी ने भारत को लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया था।

बुधवार को हैदराबाद में खेले गए मुकाबले में शाई होप के शानदार शतक और कीमो पॉल के पांच विकेट की बदौलत वेस्टइंडीज ने भारत को 24 रन से हराया। पांच मैचों की श्रृंखला अब 2-2 से बराबर हो गई है। निर्णायक मुकाबला 17 अक्टूबर को बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा।

तिलक के आउट होने से बदला मैच का रुख

248 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 12वें ओवर में



130 रन पर पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी ने शानदार साझेदारी कर भारत की उम्मीदें जगा दीं। दोनों ने तेजी से रन बनाते

हुए समीकरण 19 गेंदों में 48 रन तक पहुंचा दिया। हालांकि, रोमारियो शेफर्ड ने तिलक को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ दिया, जो मैच का निर्णायक मोड़

साबित हुआ। सैमसन ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, तिलक का आउट होना मैच का निर्णायक मोड़ था। हम अच्छी स्थिति में थे और हर ओवर में 10-12 रन की दर से अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। दबाव की स्थिति में रेड्डी और तिलक बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे थे। मुझे लगता है कि उस समय तक हम लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में थे।

उन्होंने कहा, पांच विकेट गंवाने के बाद भी इस तरह नियंत्रण बनाए रखना बहुत अच्छी बात है। दो युवा क्रिकेटर्स ने दबाव का सामना किया और वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण पर जवाबी हमला किया।

अपनी पारी से खुश लेकिन हार से निराश

सैमसन ने भारत की पारी के दौरान 23 गेंदों में 56 रन बनाकर लक्ष्य का पीछा करने की मजबूत नींव रखी। हालांकि, उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा

रहने के बावजूद टीम की हार से वह निराश हैं।

उन्होंने कहा, जब आप हारने वाली टीम में होते हैं, तो आप जो भी करते हैं, उसका एहसास बिल्कुल अलग होता है। इस समय मैं काफी निराश हूं। मैं निश्चित रूप से जीतने वाली टीम का हिस्सा बनना चाहता था। मुझे मैदान पर बल्लेबाजी करने में बहुत मजा आया।

सैमसन ने कहा, हूजब आप इतने बड़े लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं, तो ज्यादा सोचने का समय नहीं होता। आपको अपनी सहज प्रवृत्ति और बड़े शॉट खेलने की क्षमता पर भरोसा करना होता है। मैंने भी यही किया। मुझे अपनी पारी का आनंद आया, लेकिन मैं चाहता था कि हम मैच जीते।

हैदराबाद में मिली जीत के साथ वेस्टइंडीज ने पांच मैचों की टी20 श्रृंखला 2-2 से बराबर कर दी है। अब दोनों टीमों की नजरें 17 अक्टूबर को बेंगलुरु में होने वाले पांचवें और निर्णायक मुकाबले पर होंगी।

शाई होप के शतक और कीमो पॉल के पंजे से जीता वेस्टइंडीज, सीरीज 2-2 से बराबर

हैदराबाद। कप्तान शाई होप के तूफानी शतक और कीमो पॉल की घातक गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज ने चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में भारत को 24 रन से हरा दिया। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में बुधवार को खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए तीन विकेट पर 247 रन बनाए। जवाब में भारतीय टीम तेज शुरुआत के बावजूद 19.4 ओवर में 223 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर हो गई है। 248 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने आक्रामक शुरुआत की। टीम ने महज तीन ओवर में 50 रन पूरे कर टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे तेज अर्धशतक दर्ज किया। संजू सैमसन ने आते ही कैरोबियाई गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। उन्होंने 23 गेंदों में छह चौकों और चार छकों की मदद से 56 रन बनाए। इस दौरान सैमसन ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने 100 छकों भी पूरे

किए। हालांकि, सैमसन के आउट होने के बाद भारत की रन गति प्रभावित हुई। ईशान किशन भी छक्का लगाने के बाद जल्द पवेलियन लौट गए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 11 गेंदों में 16 रन बनाए, लेकिन वह बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। अभिषेक शर्मा ने 24 गेंदों में 29 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद नमन धीर अगली ही गेंद पर बिना खाता खोले लौट गए। दोनों विकेट गुडाकेश मोती ने लिए। लगातार विकेट गिरने से भारतीय टीम दबाव में आ गई। 130 रन तक पांच विकेट गंवाने के बाद तिलक वर्मा और नितीश कुमार रेड्डी ने पारी संभालने की कोशिश की। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए भारत की उम्मीदें बनाए रखीं। तिलक ने 25 गेंदों में दो चौकों और तीन छकों की मदद से 43 रन बनाए, जबकि नितीश ने 20 गेंदों में एक चौके और चार छकों के सहारे 41 रन जोड़े। लेकिन अंतिम ओवरों में तेजी से रन बनाने का दबाव बढ़ता गया।



मुंबई पुलिस ने अभिनेता इमरान खान को 28 अक्टूबर तक

भारत छोड़ने के लिए जारी किया नोटिस

मुंबई। फिल्म अभिनेता इमरान खान को मुंबई पुलिस की ओर से आंदोलन में शामिल होने पर 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का नोटिस जारी की गई है। मुंबई पुलिस ने गुरुवार को यह कार्रवाई मुंबई के अगस्त क्रांति मैदान में आयोजित एक राजनीतिक विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के बाद की गई है। इमरान खान बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान के भांजे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. किरीट सोमैया ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि इमरान खान भारतीय नागरिक नहीं हैं। उनका जन्म 13 जनवरी 1983 को अमेरिका के विस्कॉन्सिन राज्य के मेडिसन शहर में हुआ था। उनके पास अमेरिकी नागरिकता और अमेरिकी पासपोर्ट होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा उनके पास ओवरसीज सिटीजन ऑफ इंडिया



(ओसीआई) कार्ड भी है। ओसीआई कार्ड भारतीय नागरिकता नहीं देता। इसके धारकों को भारत में रहने और आने-जाने समेत कई सुविधाएं मिलती हैं, लेकिन उन्हें भारतीय नागरिकों के सभी संवैधानिक और राजनीतिक अधिकार प्राप्त नहीं होते। इसका मतलब है कि विदेश में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिकों

को देश में रहने का आजीवन वीजा मिलता है, लेकिन न तो वे वोट कर सकते हैं और न ही चुनाव में खड़े हो सकते हैं।आर्टिकल 19 के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांति पूर्ण सभा सिर्फ भारत के नागरिक ही कर सकते हैं। विदेशी नागरिकों को देश में होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का अधिकार नहीं है।इमरान खान ने कॉकरोच जनता पार्टी के मुंबई स्थित आगस्त क्रांति मैदान में आयोजित प्रदर्शन में भाग लिया था। इसके बाद इमरान को पुलिस ने गिरफ्तार भी किया था। सोमैया ने कहा कि इसी वजह से उन्होंने इस मामले की शिकायत मुंबई पुलिस से की थी और इसी शिकायत के आधार पर आज मुंबई पुलिस ने इमरान खान को 28 को भारत छोड़ने के लिए नोटिस जारी किया है।

अंकिता भंडारी के परिवार से मिले राहुल और प्रियंका गांधी, निष्पक्ष न्याय की मांग



नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस महासचिव एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को इंडिया गेट पर प्रदर्शन कर रहे अंकिता भंडारी के परिवार से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने परिवार की न्याय की मांग के प्रति समर्थन जताया। उत्तराखंड की 19 वर्षीय अंकिता भंडारी की सितंबर 2022 में ऋषिकेश के पास एक रिजॉर्ट में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में रिजॉर्ट के मालिक पुलकित आर्य और उसके दो कर्मचारियों को दोषी ठहराया गया था। हालांकि,

परिवार मामले में कथित हवाईआईपीहू की भूमिका की भी निष्पक्ष जांच कराने की मांग कर रहा है। परिवार का विरोध भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता दुर्गुंत कुमार गौतम को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने को लेकर भी है। परिजनों ने मांग की है कि कथित वीआईपी पहलू की जांच पूरी होने तक उनकी नियुक्ति पर रोक लगाई जाए। कांग्रेस ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और भाजपा पर सवाल उठाए हैं तथा परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

उत्तर कोरिया ने पनडुब्बी से दागी जाने वाली दो क्रूज मिसाइलों का किया परीक्षण

सियोल। उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर में पनडुब्बी से दागी जाने वाली दो प्रकार की रणनीतिक क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। केसीएनए के हवाले से दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप ने बताया कि, इस परीक्षण का उद्देश्य पानी के भीतर संचालित होने वाली हथियार प्रणालियों की मौजूदा तैयारियों का आकलन करना था। एजेंसी ने कहा कि इससे नौसेना की रणनीतिक अभियानों को अंजाम देने की क्षमता का परीक्षण हुआ और देश के निवारक हथियारों की विश्वसनीयता तथा प्रभावशीलता भी प्रदर्शित हुई।

हरे निशान पर खुला घरेलू शेयर बाजार, सेंसेक्स 763 अंक उछला

नई दिल्ली। हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार कल के गिरावट से उबरते हुए तेज बढ़त के साथ हरे निशान पर खुला। बाजार ने कारोबार की जोरदार शुरुआत की। बाजार खुलने के साथ ही प्रमुख सूचकांकों में तेजी देखी गई। सेंसेक्स 750 अंक से अधिक उछला, जबकि निफ्टी 22,750 के स्तर पार कर गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 763.13 अंक यानी 1.05 फीसदी की उछाल के साथ 73,545.02 के स्तर पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 227.10 अंक यानी 1.00 फीसदी की बढ़त के साथ



22,849.80 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा रुपया शुरुआती कारोबार में 29 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के

मुकाबले 94.88 पर कारोबार कर रहा है। उल्लेखनीय है कि, बीएसई का 30 शेयरों वाला फीसदी टूटकर 22,622.70 0.34 फीसदी की गिरावट के

कलकत्ता हाईकोर्ट ने अभिषेक बनर्जी की याचिका पर तत्काल सुनवाई से किया इनकार

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी को कलकत्ता हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। अदालत ने उनके खिलाफ चल रही जांच से जुड़ी गोपनीय जानकारी मीडिया में प्रकाशित होने का विरोध करने वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई करने से स्पष्ट इनकार कर दिया है। गुरुवार को अभिषेक के वकील अयन भट्टाचार्य ने अदालत का ध्यान इस मामले की ओर आकर्षित करते हुए जल्द सुनवाई का अनुरोध किया था। उनकी दलील थी कि अदालत ने इस मामले की सुनवाई के लिए दिसंबर का समय तय किया है, लेकिन इस बीच मीडिया में लगभग हर दिन उनके मुवकिल के खिलाफ जांच से जुड़ी खबरें छपी जा रही हैं। वकील ने आग्रह किया कि यदि वर्तमान में सुनवाई संभव नहीं है, तो मामले को अवकाशकालीन पीठ (वेकेशन बेंच) के पास भेज दिया जाए।

न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अवकाशकालीन पीठ कोई 'डंपिंग ग्राउंड' नहीं है, जहां सभी लंबित मामलों को भेज दिया जाए। अदालत ने याद दिलाया कि यह मामला इससे पहले न्यायमूर्ति कृष्ण राव की पीठ के समक्ष भी उठा था और उसके बाद खंडपीठ (डिवीजन बेंच) से होते हुए यहां तक पहुंचा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में इस मामले पर तत्काल सुनवाई किसी भी सूरत में संभव नहीं है।



न्यायाधीश ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि अवकाशकालीन पीठ कोई 'डंपिंग ग्राउंड' नहीं है, जहां सभी लंबित मामलों को भेज दिया जाए। अदालत ने याद दिलाया कि यह मामला इससे पहले न्यायमूर्ति कृष्ण राव की पीठ के समक्ष भी उठा था और उसके बाद खंडपीठ (डिवीजन बेंच) से होते हुए यहां तक पहुंचा है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वर्तमान परिस्थितियों में इस मामले पर तत्काल सुनवाई किसी भी सूरत में संभव नहीं है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ कलाम को ओम बिरला राजनाथ सिंह व अमित शाह ने दी श्रद्धांजलि

ऐतिहासिक रहा। उनके अनुसार, शिक्षा का उद्देश्य केवल डिग्री या रोजगार हासिल करना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता, नैतिक मूल्यों और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना भी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में भारत की आत्मनिर्भरता को मजबूत करने में डॉ. कलाम का योगदान अविस्मरणीय है। विकसित भारत का उनका दृष्टिकोण और युवाओं में वैज्ञानिक सोच, आत्मविश्वास तथा राष्ट्र निर्माण का संकल्प जगाने का प्रयास सदैव प्रेरणा देता रहेगा।उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के सर्वोच्च पद पर पहुंचने के बाद भी डॉ. कलाम की सादगी और सहजता बरकरार रही। बच्चों और युवाओं के बीच रहना, उनसे संवाद करना और उन्हें प्रोत्साहित करना उनके व्यक्तित्व की ऐसी



उन्होंने कहा कि डॉ. कलाम उन विरले राष्ट्रनिर्माताओं में शामिल थे, जिन्होंने प्रयोगशाला से लेकर राष्ट्रपति भवन तक अपना जीवन देश की प्रगति और जनकल्याण के लिए समर्पित किया। बिरला ने कहा कि डॉ. कलाम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि परिस्थितियां किसी व्यक्ति के सपनों की सीमा तय नहीं करतीं। दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर परिश्रम और सीखने की ललक से नई ऊंचाइयों तक पहुंचा जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरिक्ष और मिसाइल कार्यक्रमों में डॉ. कलाम का योगदान

परविंदर सिंह झोटा की हत्या के विरोध में पंजाब बंद



करें। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि बंद के दौरान एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहनों को रास्ता दिया जा रहा है। कई निजी शिक्षण संस्थानों ने भी गुरुवार को छुट्टी घोषित की है। हालांकि, सुबह करीब 8 बजे तक मालवा के कुछ जिलों में बंद का असर सीमित दिखाई दिया।

अमृतसर में सुबह करीब 7 बजे गोल्डन गेट पर किसान

विफल रही है। उन्होंने झोटा की हत्या का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की। बठिंडा जिले के रामपुरा फूल चौक पर मौर चौक के पास राजमार्ग अवरुद्ध करने की कोशिश कर रहे कुछ प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने हिरासत में लेने का प्रयास किया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे पहले मंडी कलां अनाज मंडी में एकत्रित होंगे और इसके बाद दोबारा सड़क जाम करने के लिए आगे बढ़ेंगे। विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनकारियों की गतिविधियों के बीच पुलिस और प्रशासन स्थिति पर नज़र बनाए हुए हैं। परविंदर सिंह झोटा का शव मानसा के हॉस्पिटल अस्पताल में रखा हुआ है। परिवार की सहमति नहीं मिलने के कारण अभी तक पोस्टमार्टम नहीं हो सका है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने बैंकोंक में यूके के चांसलर जॉन हीली से की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को बैंकोंक में यूके के चांसलर ऑफ द एंक्लेर जॉन हीली से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने कई अहम मुद्दों पर चर्चा की।

वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म हाएक्सहू पर जारी एक बयान में बताया कि सीतारमण ने थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में आईएमएफ-विश्व बैंक की सालाना बैठकों के दौरान यूके के चांसलर ऑफ द एक्सचेंजर, जॉन हीली से मुलाकात की। इस दौरान सीतारमण ने पिछले 'आर्थिक और वित्तीय संवाद' के नतीजों को आगे बढ़ाते हुए, चौथे 'भारत-यूके वित्तीय बाजार संवाद', फिनेटैक बैठकों और इनसे जुड़ी आईयूकेएफपी बैठकों के सफल समापन पर भी चर्चा की।

मंत्रालय के मुताबिक, इस बैठक में वित्त मंत्री सीतारमण ने



साझा प्राथमिकताओं और एक रचनात्मक तथा समावेशी जी-20 प्रक्रिया की दिशा में यूके के साथ मिलकर काम करने के भारत के संकल्प को दोहराया। साथ ही सीतारमण ने उन्हें यह भी बताया कि भारत 14वें आर्थिक और वित्तीय संवाद (ईएफडी) को लेकर उत्सुक है, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों, ग्रीन टेक और शहर-क्षेत्र साझेदारियों में सहयोग का प्रस्ताव है। दोनों पक्षों ने पृष्ठ की कि अगला ईएफडी इस साल दिसंबर में आयोजित किया जाएगा। इससे पहले सीतारण का गुरुवार को बैंकॉक के सुवर्णभूमि हवाई अड्डे पहुंचने पर थाईलैंड में भारत के राजदूत पुनीत अग्रवाल ने स्वागत किया।

न्यूज IN बीफ

सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले पहुंचे लखनऊ

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले दो दिवसीए दौरे पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ पहुंचे हैं। वह संघ के प्रांतीय कार्यालय भारती भवन में आयोजित संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक में हिस्सा लेंगे। इस बैठक में शामिल होने के लिए पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र प्रचारक अनिल,पश्चिमी उत्तर प्रदेश के क्षेत्र प्रचारक महेंद्र, संयुक्त क्षेत्र प्रचार प्रमुख व संघ व सरकार के बीच समन्वय का काम देख रहे वरिष्ठ प्रचारक कृपाशंकर सहित अन्य वरिष्ठ प्रचारकों को भी लखनऊ बुलाया गया है। उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव की दृष्टि से इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। जानकारी के अनुसार सरकार्यवाह सरकार के कामकाज की भी समीक्षा करेंगे और प्रचारकों से फीडबैक भी लेंगे। संघ के प्रचारकों की बैठक के बाद सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भी बैठक कर सकते हैं।



बिहार के भोजपुर में सेवानिवृत्त कस्टम अधिकारी की गोली मारकर हत्या

पटना। बिहार में भोजपुर जिले के आरा मुख्यालय में गुरुवार की सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले एक सेवानिवृत्त कस्टम अधिकारी को अपराधियों ने ताबड़तोड़ गोलीयां मार दीं। जैन कॉलेज के पास हुई इस वारदात में रिटायर अफसर रामकुमार सिंह की मौत हो गई। अपराधियों ने उन्हें छह से सात गोलियां मारीं। घटना के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। सुबह के वक्त शहर के व्यस्त इलाके में हुई इस हत्या ने सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिस समय लोग अपने दिन की शुरुआत कर रहे थे, उसी दौरान हथियारबंद अपराधियों ने रामकुमार सिंह को निशाना बनाया और देखते ही देखते वहां अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक रामकुमार सिंह रोजाना सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकलते थे। उनका रूट भी लगभग तय था। बताया जा रहा है कि वे जैन कॉलेज के पास से होते हुए रमना मैदान की तरफ जाते थे। गुरुवार की सुबह भी वे रोज की तरह घर से निकले थे, लेकिन शायद अपराधियों को उनकी दिनचर्या की जानकारी पहले से थी।

जैन कॉलेज के सामने पहुंचते ही बदमाशों ने उन्हें घेर लिया और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक हमले के बाद अपराधी तेजी से मौके से निकल गए। रामकुमार सिंह को कई गोलियां लगने की बात सामने आ रही है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। रामकुमार सिंह कस्टम विभाग से रिटायर हुए थे। नौकरी से सेवानिवृत्त होने का वडा कर खाद भी वे सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। वे रोटरी क्लब के पूर्व सचिव रह चुके थे और वर्तमान में भी क्लब के सदस्य बताए जा रहे हैं। इसके अलावा उनका जुड़ाव एक क्षत्रिय संगठन से भी बताया जा रहा है। यही वजह है कि हत्या के बाद पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि वारदात के पीछे व्यक्तिगत रंजिश, सामाजिक विवाद या किसी अन्य कारण की भूमिका तो नहीं है।

गोपालपुर के महादेवपुर और छोटी अलालपुर में कटाव, 100 मीटर पुरानी रेलवे लाइन नदी में विलीन



भागलपुर। जिले के गोपालपुर प्रखंड अंतर्गत महादेवपुर और छोटी अलालपुर गांवों में गंगा नदी के भीमण कटाव ने विकराल रूप ले लिया है। लगातार हो रहे इस कटाव के बीच गुरुवार को एक बड़ी आिषाग से सामने आई, जिसने पूरे इलाके को दहला कर खाद दिया। जानकारी के अनुसार, पुरानी रेलवे लाइन के पास करीब 100 मीटर के दायरे में अचानक मिट्टी भरभराकर नदी में समा गई। मिट्टी धंसने की इस ताजा और भयावह घटना से मौके पर भारी अफरा-तफरी मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए दक्षित स्थानों की ओर भागने लगे। गंगा के इस रूढ़ रूप के कारण महादेवपुर और छोटी अलालपुर के ग्रामीणों में तीव्र दहशत का माहौल है। वहीं दूसरी ओर, इस संकट की घड़ी में जिला प्रशासन और बाढ़ निवंत्रण विभाग की सुस्ती की लेकर लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का आरोप है कि कटाव निरोधी कार्य समय पर और ठोस तरीके से नहीं किए जाने के कारण आज स्थिति इतनी भयावह हो चुकी है। घर, जमीन और ऐतिहासिक धरोहरों को नदी में समाते देख पीड़ित ग्रामीणों ने प्रशासनिक विफलता के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की और त्वरित राहत व बचाव कार्य शुरू करने की मांग की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यदि कटाव को रफ्तार को तुरंत नहीं रोका गया, तो महादेवपुर और छोटी अलालपुर का एक बड़ा हिस्सा पूरी तरह गंगा नदी के आगोश में समा जाएगा। कई घर और सरकारी संपत्तियां अब कटाव की बिल्कुल मुहाने पर खड़ी हैं। ग्रामीण रात-रात भर जागकर कटाव की स्थिति पर नजर रख रहे हैं और अपने स्तर से सुरक्षित ठिकानों की तलाश में जुट गए हैं। समाचार लिखे जाने तक प्रशासनिक अधिकारियों की टीम स्थिति का जायजा लेने के लिए रवाना हो चुकी थी, लेकिन ग्रामीण ठोस जमीनी कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं।

सारण में नौका परिचालन सुरक्षा को लेकर जिलाधिकारी और एसएसपी ने निर्देश

सारण। जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में नौका परिचालन सुरक्षा को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी घाटों पर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में संचालित सभी छोटी-बड़ी नौकाओं का निबन्धन अनिवार्य है। प्रत्येक नाव पर पर्याप्त लाइफ जैकेट, रस्सी और दृढ़व जैसे जीवनरक्षक उपकरण होने चाहिए। नावों पर उनकी क्षमता स्पष्ट रूप से अंकित होनी चाहिए और ओवरलोडिंग पर पूरी तरह रोक रहेगी। सुरक्षा निगरानी के लिए अनुमंडल स्तर पर आंतरिक व्हाट्सएप ग्रुप बनाने और एसडीओ-एसडीपीओ को नियमित घाट निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, घाटों पर खतरे के निशान को लाल रंग से चिह्नित करने तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के तहत आवश्यक निषेधाज्ञा लागू करने को कहा गया है।

न्यूज़ IN ब्रीफ

मेदिनीनगर नगर निगम की पहल: वार्ड पार्श्वों को मिलीं 50-50 एलईडी लाइटें क्या शहर से हटेगा अंधेर

मेदिनीनगर : नगर निगम की ओर से सभी 35 वार्ड पार्श्वों को 50-50 पीस एलईडी लाइटें वितरित की गई हैं, जिन्हें पार्श्वों को अपने-अपने क्षेत्र के जरूरतमंद स्थानों पर लगवाना है। अंधेरे से राहत की आस: लंबे समय से कई इलाकों की गलियां और चौक-चौराहे अंधेरे में डूबे रहने के कारण स्थानीय लोग परेशान थे, लेकिन अब इन नई लाइटों के लगने से राहत मिलने की उम्मीद है। पार्श्वों की परीक्षा: यह देखना अहम होगा कि वार्ड पार्श्व किन-किन चुनिंदा और जरूरतमंद स्थानों पर इन लाइटों को लगवाते हैं, या फिर जनता को पहले की तरह अंधेरे का सामना करना पड़ता है। जनता की नजरें: शहरवासियों की निगाहें अब पूरी तरह से पार्श्वों के काम पर टिकी हैं कि वे बिना भेदभाव के सही जगहों पर लाइट लगवाकर विकास को गति देते हैं या नहीं।

पेंशनरों की सेहत से संगठन की मजबूती तक, बनी नई पहल की रूपरेखा

बरही : पेंशनरों की समस्याओं, संगठन की मजबूती और स्वास्थ्य को लेकर झारखंड राज्य पेंशनर समाज की अनुमंडल शाखा बरही की बैठक प्रखंड परिसर स्थित बरही पूर्वी पंचायत भवन में हुई। अध्यक्षता राजेंद्र रुखरियार और संचालन तोखन प्रजापति ने किया। बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की समीक्षा के बाद राष्ट्र द्वारा प्रकाशित पेंशनर वॉयस पत्रिका का वितरण सदस्यों के बीच किया गया। सदस्यों से पत्रिका का अधिकाधिक ग्राहक बनने और राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय गतिविधियों से नियमित रूप से अवगत रहने की अपील की गई। संगठन को और सशक्त बनाने पर भी जोर दिया गया। साथ ही पेंशनर समाज के नाम से बैंक खाता खोलने का निर्णय लिया गया। वहीं, अगली बैठक में पेंशनरों एवं उपस्थित लोगों के लिए स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बनाई गई। दीपावली, दवात पूजा और छठ पर्व को देखते हुए अगली बैठक की तिथि 20 नवंबर निर्धारित की गई। सभी पेंशनरों से नवंबर माह में अपने संबंधित बैंक में जीवन प्रमाणपत्र (लाइफ सर्टिफिकेट) अनिवार्य रूप से जमा करने की अपील की गई, ताकि पेंशन का भुगतान नियमित अंत में रूप से होता रहे। अध्यक्ष श्री रुखरियार ने बरहीवासियों को नवरात्रि एवं दुर्गापूजा की शुभकामनाएं देते हुए सुख, शांति और समृद्धि की कामना की। उन्होंने दीपावली और छठ पर्व की भी अग्रिम शुभकामनाएं दीं। बैठक में छात्रधारी ठाकुर, राधानाथ भगत, विनय कुमार सिन्हा, अखिलेश्वर सिंह, सुधीर कुमार चौधरी, बजरंग शर्मा, रतेश्वर प्रसाद केसरी, सुरेश रजक, तोपेश्वरी कुमारी, संजय सिंह, अरुण कुमार आदि उपस्थित थे।

बरकट्टा बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराने की पहल शुरू, दुकानदारों को दी गई हिदायत

बरकट्टा : बरकट्टा बाजार में अतिक्रमण,भीड़भाड़ एवं जाम की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से मंगलवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। अंचलाधिकारी सुमन कुमार सौरव एवं बरकट्टा थाना प्रभारी आशीष कुमार भागत के नेतृत्व में प्रशासनिक टीम ने बाजार क्षेत्र का दौरा कर दुकानदारों को सड़क और राष्ट्रीय राजमार्ग (०८४) को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए समझाया। अभियान के दौरान दुकानदारों से अपील की गई कि वे अपनी दुकानों का सामान सड़क पर न फैलाएं और सड़क एवं एनएच पर किए गए अतिक्रमण को जल्द से जल्द हटा लें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बाजार की सड़कों को भव्य एवं अतिक्रमण मुक्त रखना जरूरी है,ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो और जाम की समस्या पर नियंत्रण पाया जा सके।मौके पर जिए प्रतिनिधि सीके पाण्डेय,प्रतिनिधि पीयूष पाण्डेय,बाजार समिति के सुरेश पाण्डेय,अजित पाण्डेय,ग्रामीण रामजी मंडल,सूरज मोदी मौजूद रहे।

मांग को लेकर आउटसोर्सिंग स्वास्थ्यकर्मियों ने सांसद प्रतिनिधि से की मुलाकात

रामगढ़ : जिले के स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत आउटसोर्सिंग स्वास्थ्यकर्मियों ने मंगलवार को भाजपा नेता एवं सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार पुटूस से मुलाकात कर अपनी विभिन्न समस्याओं एवं मांगों से अवगत कराया। कर्मियों ने मुख्य रूप से वेतन में उचित वृद्धि, प्रत्येक माह वेतन भुगतान की निश्चित तिथि निर्धारित करने तथा एपीएफ खाते में जमा राशि का पारदर्शी तरीके से समायोजन सुनिश्चित करने की मांग रखी। कई कर्मियों ने यह भी आरोप लगाया कि पूर्व में आउटसोर्सिंग कंपनी बालाजी डिटैक्टिव फोर्स द्वारा काम लेने के बावजूद उनका तीन महीने का वेतन भुगतान नहीं किया गया था। साथ ही ईपीएफ की राशि भी जमा नहीं की गई थी। ऐसे में कर्मचारियों को एक बार फिर अपने हक और अधिकारों को लेकर चिंता सता रही है।

फुटबॉल ग्राउंड में रावण दहन कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर

रामगढ़ : रामगढ़ कैंट दशहरा समिति के अध्यक्ष रंजन सिंह ने मंगलवार को आगामी रावण दहन कार्यक्रम की तैयारियों और अतिथियों के नामों की आधिकारिक घोषणा की है। समिति द्वारा सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार इस वर्ष के रावण रावण दहन समारोह के उद्घाटनकर्ता रामगढ़ के पूर्व विधायक शंकर चौधरी जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता रणजय कुमार उर्फ कुंटू बाबू शिरकत करेंगे। इसके अलावा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में नंदकिशोर गुप्ता भी उपस्थित रहेंगे। अध्यक्ष रंजन सिंह ने बताया कि छावनी फुटबॉल ग्राउंड में रावण दहन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। इसी क्रम में मंगलवार को रामगढ़ अंचल अधिकाारी, छावनी परिषद के अधिकारी और नागरिकों और रामगढ़ थाना प्रभारी सहित कई प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी फुटबॉल ग्राउंड पहुंचे और स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर समिति के पदाधिकारियों को आवश्यक एवं अहम दिशा-निर्देश दिए।

रजिस्ट्री कार्यालय का विधायक ने किया औचक निरीक्षण

बरही : जमीन रजिस्ट्री और दस्तावेजों से जुड़े मामलों में आम लोगों को हो रही परेशानियों की शिकायतों पर बरही विधायक सह झारखंड विधानसभा लोक लेखा समिति के सभापति मनोज कुमार यादव ने मंगलवार को बरही अवर निबंधन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने एसडीओ सह प्रभारी अवर निबंधन पदाधिकारी जोहान टुड्डु से मुलाकात कर समस्याओं पर चर्चा किया । इस दौरान सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी, गुरुदेव गुप्ता, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर सहित कई डीएस राइटर भी मौजूद थे। विधायक ने कहा कि आम लोगों को जमीन रजिस्ट्री और दस्तावेजों से संबंधित कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालय का चक्कर नहीं लगाना पड़े।

भारतीय नव युवक संघ बकरी बाजार दुर्गा पूजा पंडाल का उपायुक्त ने किया उद्घाटन

बिनय मिश्रा

भारतीय नव युवक संघ बकरी बाजार दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने किया। उन्होंने मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा और पूजा पंडाल तथा आकर्षक सजावट दुर्गा पूजा समिति के सभी पदाधिकारी तथा सदस्यों के सहभागिता को भी सराहा।

उद्घाटन समारोह में उपायुक्त श्री भजंत्री ने कहा कि - मुख्यमंत्री का भी यह अभियान और लक्ष्य है कि नशा मुक्ति से झारखंड पूर्णरूपेण मुक्त हो और मां दुर्गा के आशीर्वाद से झारखंड राज्य बेहतर और विकसित कार्य करे। उद्घाटन समारोह में समिति के पदाधिकारियों ने जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष भारतीय

नव युवक संघ बकरी बाजार दुर्गा पूजा पंडाल का 68 वां वर्ष है जो निश्चित तौर पर इस पूजा पंडाल के गौरव की बात है। मां की प्रतिमा को स्वर्णिम रूप देने में 8 माह का समय लगा। इस अवसर पर प्रतिमा निर्माण करने वाले मूर्तिकार को सम्मानित किया। पूजा पंडाल तमिलनाडु के वृहदेश्वर मंदिर का प्रारूप है और उपायुक्त सहित दुर्गा पूजा पंडाल के पदाधिकारीगण भी दक्षिणी भेष-भूषा में नजर आए जिसे लोगों ने काफी सराहा साथ ही साथ उद्घाटन समारोह में कलाकारों ने कथकली नृत्य कर मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर जिला प्रशासन के कई पदाधिकारी भी उपस्थित थे।



बोर्ड ऑफ विजिटर व डालसा के संयुक्त टीम ने किया केंद्रीय कारा का निरीक्षण



बंदियों के समस्याओं से हुए रूबरू

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निर्देश पर बोर्ड ऑफ विजिटर व डालसा के संयुक्त टीम के द्वारा गुरुवार को केंद्रीय कारा मेदिनीनगर का निरीक्षण किया गया।पलामू के प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश राधा कृष्ण के अगुआई में टीम के उपायुक्त पलामू दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, पुलिस अधीक्षक कपिल चौधरी, डालसा सचिव सौरभ कुमार गौतम,व्यवहार न्यायालय के निबन्धक कमल प्रकाश,समाज कल्याण पदाधिकारी नीता चौहान,सिविल सर्जन अनिल कुमार श्रीवास्तव, जिला कृषि पदाधिकारी ,लीगल एड डिफेंस कार्डसिल के चीफ अमिताभ चन्द सिंह, डिप्टी चीफ संतोष कुमार पाण्डेय, आदि ने निरीक्षण

किया।निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बैरक,महिला वार्ड , मुलाकाती सहायता केंद्र,मैडिकल वार्ड,कीचन स्टोर रूम ,लाइब्रेरी,प्रिंटिंग प्रेस, कपड़ा बुनाई आदि स्थलों व अन्य महत्वपूर्ण विभागों का जायजा लिया। व कैदियों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा व्यवस्था का आकलन किया। टीम ने साफ सफाई, पेयजल ,शौचालय, पुस्तकालय,सुरक्षा व्यवस्था व कैदियों से सम्बंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही टीम के लोगों ने बन्दियों से मुकदमे के बारे में पैरवी के लिए अधिवक्ता के बारे में भी जानकारी लिया। पीडीजे राधा कृष्ण ने कहा कि कोई भी बन्दी बिना अधिवक्ता के नहीं रहे। डालसा के द्वारा सभी को मुफ्त अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा रहा है।उन्होंने कहा कि कोई समस्या हो तो जेल पीएलवी के माध्यम से आप अपना समस्या लिखवाकर डालसा में भेज सकते है।टीम के लोगों ने यह भी परखा की सरकार

संविधान, लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए झारखंड कांग्रेस प्रतिबद्ध

हृदयानंद मिश्र
दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट मार्च में झारखंड कांग्रेस की दमदार भागीदारी; मतदाता सूची में पारदर्शिता, प्रत्येक पात्र नागरिक के वोट की सुरक्षा और निष्पक्ष चुनावी प्रक्रिया सुनिश्चित करने की उठाई मांग
भारतीय लोकतंत्र की मजबूती, संविधान की गरिमा, लोकतांत्रिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और प्रत्येक पात्र नागरिक के मताधिकार की रक्षा के संकल्प के साथ झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली में आयोजित सुप्रीम कोर्ट मार्च में अपनी प्रभावशाली भागीदारी दर्ज कराई। इस मार्च में झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के प्रति अग्रणी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दिल्ली की सड़कों पर झारखंड कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि संविधान और नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह सजग है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री केशव महतो कमलेश ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की ऐतिहासिक पहचान देश की स्वतंत्रता, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के संघर्ष से जुड़ी रही है। स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर संविधान निर्माण और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने तक कांग्रेस ने हमेशा नागरिकों के अधिकारों को सर्वोपरि माना है। आज भी पार्टी उसी विचारधारा और जिम्मेदारी के साथ लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष कर रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति जनता में निहित है और जनता की इस शक्ति का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम उसका मताधिकार है। इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मत का प्रयोग करने का

अधिकार सुरक्षित रहना चाहिए तथा चुनावी प्रक्रिया ऐसी होनी चाहिए, जिस पर आम जनता का विश्वास बना रहे। श्री कमलेश ने कहा कि लोकतंत्र केवल निर्धारित समय पर चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं है। एक मजबूत लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय हों। मतदाता सूची की शुद्धता इस पूरी प्रक्रिया का आधार है। यदि किसी पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची से गलत तरीके से हट जाता है या सूची में किसी प्रकार की अनियमितता की शिकायत सामने आती है, तो उसका निष्पक्ष परीक्षण और समयबद्ध समाधान होना चाहिए। किसी भी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने शामिल होकर लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के प्रति अग्रणी प्रतिबद्धता व्यक्त की। दिल्ली की सड़कों पर झारखंड कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने यह संदेश दिया कि संविधान और नागरिक अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए पूरी तरह सजग है।



केशव महतो कमलेश ने कहा कि दिल्ली में आयोजित सुप्रीम कोर्ट मार्च में झारखंड कांग्रेस की भागीदारी केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम में उपस्थिति तक सीमित नहीं थी। यह संविधान की भावना, नागरिकों के अधिकारों और लोकतंत्र की बुनियादी मान्यताओं के प्रति पार्टी की प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति थी। झारखंड के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर यह संदेश दिया कि देश के किसी भी हिस्से में यदि पात्र मतदाताओं के अधिकारों को लेकर चिंता सामने आती है, तो लोकतांत्रिक तरीके से उसकी आवाज उठाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि झारखंड की धरती सामाजिक न्याय, जनसंघर्ष और अधिकारों का लड़ाई की समृद्ध परंपरा से जुड़ी रही है। यहां के लोगों ने हमेशा अपने अधिकारों, सम्मान और लोकतांत्रिक भागीदारी को महत्व दिया है। ऐसे में झारखंड कांग्रेस का यह दायित्व है कि वह जनता के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के प्रश्न पर अपनी भूमिका प्रभावी ढंग से निभाए। उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों के साथ जीने का अधिकार देता है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में नागरिकों की भागीदारी तभी सार्थक हो सकती है, जब उन्हें अपनी पसंद की सरकार चुनने का वास्तविक अवसर मिले। मताधिकार



केवल एक औपचारिक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों की राजनीतिक भागीदारी, उनकी आवाज और उनके भविष्य से जुड़ा हुआ अधिकार है। इसलिए मतदाता सूची तैयार करने, उसमें संशोधन करने और शिकायतों का निपटारा करने की प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। पात्र नागरिकों के नाम सूची में शामिल करने, गलत प्रविष्टियों को सुधारने तथा शिकायतों पर कार्रवाई करने के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनावश्यक बाधा से बचना चाहिए। श्री कमलेश ने कहा कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती केवल कानूनों और नियमों से नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से भी सुनिश्चित होती है। जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए जरूरी है कि प्रत्येक संवैधानिक संस्था अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ करे। चुनावी प्रक्रिया में नागरिकों को यह भरोसा होना चाहिए कि उनकी भागीदारी सुरक्षित है, उनकी शिकायतों को सुना जाएगा और नियमों का पालन समान रूप से किया जाएगा। लोकतंत्र में पारदर्शिता की मांग को किसी राजनीतिक विवाद के रूप में देखने के बजाय इसे व्यवस्था को बेहतर बनाने के अवसर के रूप में लिया जाना चाहिए। कांग्रेस इसी भावना के साथ

अरगोड़ा मैदान में डांडिया की रही धूम विदेशी महिला ने भी डांडिया में की शिरकत



ज्योति पाठक
नवरात्रि के अवसर पर अरगोड़ा मैदान परिसर में डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें काफी संख्या में लोगों ने अपने उपस्थिति और सहभागिता दर्ज कराई कार्यक्रम के आरंभ होने के साथ ही उपस्थित लोगों ने डांडिया कार्यक्रम में डांडिया नृत्य से लोगों को भाव विभोर और मंत्र मुग्ध कर दिया एक और जहां बेहतर और उत्कृष्ट गायन तो दूसरी ओर नवरात्र के अवसर पर डांडिया की धूम से लोग सरोबोर हो उठे यही नहीं डांडिया नृत्य महोत्सव में विदेशी रशियन महिला ने भी अपने सशक्त सहभागिता और उपस्थिति से लोगों को भाव विभोर और मंत्र मुग्ध कर दिया

उक्त महिला ने बातचीत के क्रम में बताया कि भारतीय संस्कृति और रिति रिवाज तथा नवरात्र के समय डांडिया अपने आप में आपसी एकता और भाईचारे का एक अनुपम उदाहरण है ऐसे कार्यक्रम से अपनापन स्नेह और भाईचारा बढ़ाने के साथ-साथ हम सांस्कृतिक कार्यक्रम से भी जुड़ते हैं। इस प्रकार से अरगोड़ा मैदान में आयोजित इस डांडिया नृत्य महोत्सव में उपस्थित लोगों ने जमकर डांडिया का आनंद उठाया इस अवसर पर अरगोड़ा थाना के थाना प्रभारी,सह पुलिस निरीक्षक सदल बल उपस्थित थे और शांति व्यवस्था बेहतर बनाने में उनकी सहाहनीय योगदान भी रही।